आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ठ 12 मूल्य: 2 ₹
डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6
www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

महाराष्ट्र में डरपोक सरकार

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 38 ● नई दिल्ली ● 22 से 28 सितम्बर 2024

योगी अखिलेश में जुबानी जंग

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच जारी तीखी बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। दोनों नेता लगातार एक-दूसरे पर कटाक्ष कर रहे हैं। हाल ही में अखिलेश यादव ने एक बार फिर बिना नाम लिए मुख्यमंत्री योगी पर निशाना साधा है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए तंज कसा, जिसमें उन्होंने लिखा, भाषा से पहचानिए असली संत महंत। साधु वेष में घूमते जग में धूर्त अनंत। इस पोस्ट को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर एक सीधा हमला माना जा रहा है। यह ताजा बयानबाजी उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावों की पृष्ठभूमि में हो रही है, जहां भाजपा और सपा के बीच तीव्र मुकाबला देखा जा रहा है। दोनों ही दल एक-दूसरे पर लगातार निशाना साध रहे हैं, जो आने वाले दिनों में और भी तेज हो सकता है।

इससे पहले, अखिलेश यादव ने कहा था कि जो क्रोध करेगा वह योगी नहीं हो सकता। उनका इशारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर था। उन्होंने यह भी कहा था कि मेरी तस्वीर देख लो और उनकी (योगी) तस्वीर देख लो, फिर

शेष पृष्ठ 2 पर

॥ विजयशंकर चतुर्वेदी ॥

महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट चुनाव को दूसरी बार स्थगित करने के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। राउत ने हाल ही में कैबिनेट द्वारा पारित एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर सरकार बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव, मुंबई विश्वविद्यालय सीनेट चुनाव कराने के लिए तैयार नहीं थी तो वह ऐसे विधेयक की बात कैसे कर सकती है। राउत ने साफ तौर पर कहा कि महाराष्ट्र में डरपोक सरकार है।

महाराष्ट्र सरकार पर वार करते हुए संजय राउत ने कहा कि उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट चुनाव को दो बार

स्थगित कर दिया है। जब उन्हें जानकारी मिली कि शिवसेना (यूबीटी) चुनाव जीतेगी, तो सरकार डर गई और मुंबई विश्वविद्यालय सीनेट चुनाव स्थगित कर दिया। उनमें चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी एक देश एक चुनाव की बात करते हैं लेकिन बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव, मुंबई यूनिवर्सिटी सीनेट चुनाव नहीं हो रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे केवल वहीं चुनाव लड़ते हैं जहां वे पैसे से वोट खरीद सकें।

महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) में मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान की अटकलों के बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि सहयोगी कांग्रेस को समझना चाहिए कि लोकसभा चुनाव में उसके संख्याबल में हुई वृद्धि में उनकी पार्टी का योगदान है। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में कांग्रेस नेता अगर मानते हैं कि वे गठबंधन में बड़े भाई हैं तो उनके लिए यह सही नहीं है कि वे हमारी पार्टी की भूमिका को भूल जाएं।

भाजपा-आरएसएस के खिलाफ आंदोलन करेगी कांग्रेस

॥ उमेश जोशी ॥

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर में भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और आरएसएस ने राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की है और कांग्रेस इस जहरीली मानसिकता के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा को राजनीति से हटाने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन जरूरी था। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि कांग्रेस आरक्षण का पूरा समर्थन करती है और समर्थन करती रहेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जम्मू कश्मीर में 'शांति, विकास' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की

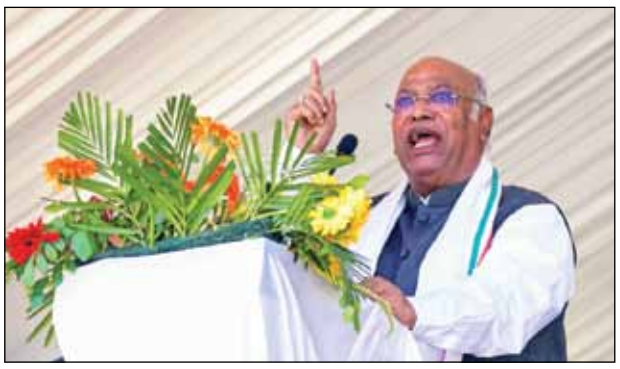

टिप्पणियों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि आतंकवाद की घटनाएं क्यों हो रही हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह प्रचार के समय बड़ी-बड़ी बाते करते हैं, बाद में कह देते हैं कि ये तो चुनावी जुमले थे। भाजपा कह रही है कि 5 लाख नौकरी देंगे। ऐसे में सवाल है कि आप तो सरकार में हैं, तो फिर नौकरी क्यों नहीं दी। लेकिन कांग्रेस जो कहती है, वो करती है.. इसलिए हम 1 लाख पदों पर भर्ती करेंगे।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 35% बेरोजगारी है और 65% सरकारी पद यहां खाली हैं। भाजपा के पास बहुत समय था, उनके एलजी के पास पॉवर भी थीं, लेकिन उन्होंने खाली पद नहीं भरे। पहले यहां लोगों को 11 किलो अनाज मिलता था, भाजपा ने उसे काट करके 5 किलो कर दिया। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस सरकार में आते ही खाली पदों को भरेगी और 11 किलो राशन देगी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह हमेशा जुमले बनाते हैं और उन्हीं पर वोट मांगते हैं। उन्होंने दावा किया कि हमने मनरेगा योजना शुरू की, देश के किसानों की कर्जमाफी की, जनता के लिए फूड सिक्योरिटी एक्ट लाए, बेहतर शिक्षा के अवसर बनाए, गरीबों के उत्थान के लिए काम किया। कांग्रेस पार्टी हमेशा से देश और जनता के लिए काम करती आई है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमने सात गारंटियों की घोषणा की है। इसमें हमारा पहला मुद्दा जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने का है।

शेष पृष्ठ 2 पर

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा योगी सरकार का फैसला

॥ विनीता यादव ॥

सरकार के बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट से बड़ी खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने देश में 1 अक्टूबर तक बुलडोजर एक्शन पर लगाई रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि सुनवाई की अगली तारीख 1 अक्टूबर तक भारत में कहीं भी अदालत की अनुमति के बिना संपत्ति का विध्वंस नहीं होगा। लेकिन स्पष्ट किया कि यह आदेश सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों आदि पर किसी भी अनधिकृत निर्माण पर लागू नहीं होगा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच का ये निर्देश अलग-अलग राज्य सरकारों की ओर से दंडात्मक उपाय के तौर पर आरोपी व्यक्तियों की इमारतों को ध्वस्त करने की कार्रवाई के

खिलाफ लगी याचिका पर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश देते हुए कहा कि 1 अक्टूबर तक बिना हमारी अनुमति के देश में कहीं पर भी बुलडोजर एक्शन नहीं होगा।

याचिकाकर्ता जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि बीजेपी शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाकर बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। इससे पहले आरोपियों के खिलाफ सजा देने के तौर पर इस्तेमाल एक्शन पर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने कहा था कि किसी व्यक्ति के घर को इसलिए केवल नहीं गिराया जा सकता क्योंकि वो किसी आपराधिक मामले में आरोपी है। यहां तक की दोषी सिद्ध होने पर भी घर इस तरह से गिराना कानूनन उचित नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि ऐसे देश में जहां सरकार की कार्रवाई कानून के शासन द्वारा शासित होती है, परिवार के किसी सदस्य द्वारा किया गया अपराध परिवार के अन्य सदस्यों या उनके कानूनी तौर पर निर्मित घर के खिलाफ कार्रवाई को आमंत्रित नहीं करता है। अपराध में कथित संलिप्तता किसी संपत्ति के विध्वंस का आधार नहीं है।

क्या है पूरा मामला

गुजरात के जावेद अली नामक व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि उसके परिवार के एक सदस्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के कारण नगर निगम की ओर से उसे मकान गिराने का नोटिस दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मकान गिराने पर रोक लगा दी है।

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी

फोटो : मो. इलियास

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के सीएम पद से अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। इसके बाद राष्ट्रपति ने आम आदमी पार्टी की विधायक दल की नेता आतिशी को दिल्ली का सीएम नियुक्त कर दिया है। आतिशी पांच कैबिनेट मंत्रियों जिनमें सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इरमान हुसैन और मुकेश अहलावत के साथ सीएम पद की शपथ ली।

अरविंद केजरीवाल उपराज्यवाल वीके सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप चुके है। इसके बाद सरकार गठन की फाइल को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेजा गया था।

आम आदमी पार्टी के

शेष पृष्ठ 2 पर

संपादकीय

दिल्ली में आप की आतिशबाजी

प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के 74 वें जन्मदिन पर देश में आतिशबाजी हुई या नहीं, लेकिन दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने जमकर आतिशबाजी की। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पद से इस्तीफा देने के बाद आतिशी को अपना उत्तराधिकारी बनाकर प्रधानमंत्री जी को अनूठा उपहार दिया गया है। कालकाजी विधानसभा सीट से विधायक आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री होंगी। आतिशी को 09 मार्च 2023 को पहली बार मंत्री बनाया गया था। मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद उन्हें केजरीवाल कैबिनेट में एंट्री मिली थी।

आतिशी के दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने से और कुछ हो या न हो किन्तु भाजपा की राजनीति को ग्रहण जरूर लग गया है। भाजपा की मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली, झारखंड और बंगाल के मुख्यमांत्रियों को अपना निशाना बनाया था लेकिन तीनों ही भाजपा के शिकंजे से निकल गए। तीन में से दो हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को हालांकि जेल यात्रा करना पड़ी लेकिन ममता बनर्जी अभी तक बची हुई है। सन्देशखाली और कोलकाता की वारदात भी उनका बाल-बांका नहीं कर सकी। अब भाजपा खीज चुकी है,उसकी बौखलाहट सार्वजनिक हो चली है।

दिल्ली में नेतृत्व परिवर्तन यद्यपि भाजपा सरकार द्वारा आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर बनाया गया दबाब ही है, लेकिन केजरीवाल की वक्र चाल ने भाजपा के अब तक के किये कराये पर पानी फेर दिया। आम आदमी पार्टी की सियासत अब दोराहे पर है और भाजपा भी। उसे साबित करना है कि उसका नहले पर दहला कारगर है या नहीं?

अब आम आदमी पार्टी की ही नहीं भाजपा और गैर भाजपा गठबंधन की राजनीति में भी बदलाव साफ नजर आएगा। आतिशी को दिल्ली की कमान मिलने से आम आदमी पार्टी के वो नेता भी कहीं पीछे छूट गए हैं जिनका अरविंद केजरीवाल से रिश्ता पार्टी की स्थापना से भी पुराना है। केजरीवाल के इस्तीफे से खाली हुए शून्य को तो आतिशी के जरिए भर दिया गया है ,लेकिन भारी-भरकम मंत्रालयों का कार्यभार संभाल रहीं आतिशी को नई जिम्मेदारी मिलने से कैबिनेट में जगह खाली हो गई है। यानी नए नेताओं की दिल्ली की सरकार में एंट्री तय है. दूसरी तरफ भले ही अगले चुनाव तक आतिशी मुख्यमंत्री रहें, लेकिन संगठन की दृष्टि से भी उनके कद में इजाफा तय माना जा रहा है। मुख्यमंत्री होने के नाते वो पहली पंक्ति की नेता हो जाएंगी, प्रमुख स्टार कैंपेनर भी बन जाएंगी।

आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अब भाजपा के खिलाफ अभियान छेड़ने के लिए स्वतंत्र है। अब उनकी लड़ाई का रुख भी बदल जायेगा। अब केजरीवाल भाजपा की बेईमानी और अपनी ईमानदारी को लेकर राजनीति में अपनी जगह बनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन ये काम वे अकेले नहीं कर सकते। उन्हें भी इस अभियान में ईमानदारी के साथ पेश आते हुए कांग्रेस की बैशाखी का इस्तेमाल करना पडेगा। कहते हैं न कि – अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। इसी तरह अकेले अरविंद केजरीवाल भाजपा का बाल-बांका नहीं कर सकते। वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा का जो भी नुक्सान हुआ वो कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबन्धन की एकजुटता की वजह से हुआ ,केजरीवाल की आम आदमी पार्टी का उसमें कोई उल्लेखनीय योगदान नहीं है । आम आदमी पार्टी पंजाब से आगे ही नहीं बढ़ पायी। यहां तक कि दिल्ली में भी उसे लोकसभा की एक भी सीट नहीं मिली।

आम आदमी पार्टी की दिल्ली की नयी मुख्यमंत्री आतिशी में कितना आतिश है ये फरवरी 2025 में होने वाले दिल्ली विधानसभा के चुनावों में स्पष्ट हो जाएगा। आतिशी के पास करने के लिए कुछ भी नया नहीं है। वे केजरीवाल का मुखौटा हैं और मुखौटा ही रहेंगी, जो कुछ करेंगे वो सब केजरीवाल ही करेंगे। केजरीवाल को यदि अपनी पार्टी को सचमुच राष्ट्रीय दल बनाये रखना है तो उन्हें दिल्ली के बाहर की राजनीति के बारे में भी सोचना और करना पड़ेगा। दिल्ली और पंजाब में सरकार चलाकर आम आदमी पार्टी न कांग्रेस हो सकती है और न भाजपा। आम आदमी पार्टी कल भी भाजपा और कांग्रेस से मीलों पीछे थी और आज भी है, शायद कल भी रहेगी।

आम आदमी पार्टी की नई करवट से सत्तारूढ़ भाजपा को वेदना तो हो रही है और भाजपा की वेदना अलग-अलग तरीके से सामने आ भी रही है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों में भाजपा की पूरी टीम का विचलन साफ दिखाई दे रहा है। यहां तक कि प्रधानमंत्री को गणेश पूजा के दौरान मुख्य न्यायाधीश के घर अपनी मौजूदगी पर भी मुंह खोलकर कांग्रेस पर हमला करना पड़ा है। जाहिर है कि वे बेफिक्र होकर पद पर नहीं हैं हालाँकि उनकी कोशिश अपनी फिक्र को लगातार छिपाए रखने की है।

देश में श्राद्ध पक्ष शुरू हो चुका है। भाजपा के लिए ये देश के पूर्वजों को गरियाने का और शेष विपक्ष के लिए उनके प्रति श्रृद्धा प्रदर्शित करने का अवसर भी है ।

भाजपा को आम आदमी पार्टी का ग्रहण लग चुका है, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने अब भाजपा सरकार और डबल इंजन की तमाम सरकारों के हाथ से बुलडोजर संहिता छीन ली है। अब भाजपा बुलडोजर के जरिये देश के अल्पसंख्यक समुदाय को आतंकित नहीं कर सकती। अब भाजपा को अल्पसंख्यकों को हड़काने के लिए कोई नया औजार तलाशना होगा।

जाहिर है कि प्रधानमंत्री जितना विचलित कांग्रेस की बढ़त से हैं उतने ही विचलित आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली में की गयी आतिशबाजी से भी है। आम आदमी पार्टी ने सुश्री आतिशी को दांव पर लगाकर एक बड़ा जोखिम लिया है। इसका उसे लाभ भी हो सकता और नुकसान भी । लेकिन सत्ता में बने रहने और सियासत में प्रासंगिकता बनाये रखने के लिए ऐसे जोखिम लेने ही पड़ते हैं। भाजपा तो हर दिन अल्पसंख्यकों से लड़ने का जोखिम लेती है। अब देखना ये है कि क्या दिल्ली की आतिशी से भाजपा का दुर्ग झुलसता है या दिल्ली की आतिशी भीगी हुई बारूद साबित होती है? खेल दिलचस्प हो गया है। देखते रहिये।

नीतिश राज : बिहार में दलितों पर अत्याचार

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जांच आदेश के बाद बिहार पुलिस ने बिहार के नवादा में आगजनी के आरोपी 16 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में मुख्य आरोपी नंदू पासवान भी शामिल है। मुख्य आरोपी कथित तौर पर बिहार के नवादा जिले के एक भू-माफिया का हिस्सा है। नवादा अग्निकांड पर बिहार की राजनीति गरमा गई है और विपक्षी नेता आरोपियों को तत्काल सजा देने और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की मांग कर रहे हैं। यहां तक कि नीतीश कुमार की एनडीए पार्टनर एलजेपी (रामविलास) के चिराग पासवान ने भी घटना की निंदा की और न्यायिक जांच की मांग की।

चिराग पासवान ने एक्स पर लिखा कि बिहार के नवादा में दबंगों और अपराधियों द्वारा महादलित टोले के लगभग 80 घरों में आग लगाने की खबर बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। एनडीए सरकार का प्रमुख सहयोगी होने के नाते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मांग करता हूं कि ऐसे दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोर से कठोर सजा दी जाए और पीड़ितों की आर्थिक मदद का हर संभव प्रावधान करें। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि मामले की न्यायिक जांच की भी मांग करता हूं ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी घटना करने की हिमाकत भी न करे। पीड़ित परिजनों के प्रति मेरी और मेरे पार्टी की गहरी संवेदना है, मैं जल्द ही घटनास्थल का दौरा कर परिजनों से मुलाकात करूंगा। वहीं, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि नवादा में जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण था। उस जमीन पर एससी समुदाय के लोग रहते थे लेकिन भू-माफियाओं की नजर उनकी जमीन पर थी, शायद इसलिए 5-6 एकड़ जमीन पर 'हरिजन' रहते थे। यह घटना प्लांटेड थी। आरोपियों को पिछड़े समुदाय के कुछ लोगों का समर्थन प्राप्त था लेकिन उस जमीन पर लगभग 150 परिवार रह रहे थे। 35-40 घर जला दिए गए हैं और लोग घायल हुए हैं। एसपी ने कहा है कि 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अनुसूचित जाति अत्याचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। मैंने मांग की कि पीड़ितों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए।

नवादा की घटना बिहार में 'डबल इंजन सरकार' के जंगलराज का एक और प्रमाण

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार के नवादा में कई लोगों के घरों को आग लगाए जाने की घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा तथा आरोप लगाया कि यह डबल इंजन सरकार के जंगलराज का एक और प्रमाण है। नवादा जिले में जमीन विवाद को लेकर लोगों के एक समूह ने करीब 21 घरों में आग लगा दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना मुफस्सिल थाना अंतर्गत मांझी टोला इलाके में हुई।

खरगे ने 'एक्स' पोस्ट किया, 'बिहार के नवादा में महादलित टोला पर दबंगों का आतंक राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की डबल इंजन सरकार के जंगलराज का एक और प्रमाण है। बेहद निंदनीय है कि करीब 100 दलित घरों में आग लगाई गई, गोलीबारी की गई और रात के अंधेरे में गरीब परिवारों का सब कुछ छीन लिया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों की दलितों-वंचितों के प्रति घोर उदासीनता, आपराधिक उपेक्षा व असामाजिक तत्वों को बढ़ावा देना अब चरम पर है। खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी हमेशा की तरह मौन हैं, नीतीश जी सत्ता के लोभ में बेफिक्र हैं और राजग की सहयोगी पार्टियों के मुंह में दही जम गया है।

पृष्ठ 1 का शेष

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी

विधायकों द्वारा इस सप्ताह की शुरूआत में ही विधायक दल की बैठक हुई थी। इस बैठक में सर्वसम्मति से आतिशी को विधायक दल का नेता चुना गया है। वहीं आतिशी के साथ जो मंत्री शपथ लेने वाले हैं उसमें गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन और नए सदस्य मुकेश अहलावत शामिल हैं।

आतिशी पर होगी जिम्मेदारी

आतिशी का नाम दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के साथ ही इतिहास के पन्नों पर दर्ज हो गया है। क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सुषमा स्वराज और कांग्रेस की शीला दीक्षित के बाद दिल्ली में इस पद पर पहुंचने वालीं वह तीसरी महिला है। आम आदमी पार्टी (आप) ने एक अहम मोड़ पर आतिशी को शीर्ष पद प्रदान किया है, क्योंकि पार्टी अगले साल की शुरूआत में दिल्ली विधानसभा चुनाव में ना केवल सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है, बल्कि वह चाहती है कि दिल्ली सरकार जन कल्याण से जुड़े लंबित नीतियों और योजनाओं पर तेजी से काम करे।

यह वजह है कि आतिशी को पद संभालने के बाद कड़ी मेहनत करनी होगी और मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना, इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2.0 और दहलीज पर सेवाओं की डिलीवरी जैसी अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए तेज गति से काम करना होगा।

योगी अखिलेश में जुबानी जंग

माफिया कौन लगेगा। इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में काफी हंगामा मचा था।

अखिलेश ने हाल ही में एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था, मठाधीश और माफिया में कोई फर्क नहीं होता। इस बयान के बाद भाजपा और साधु-संतों के बीच नाराजगी देखी गई थी। माना जा रहा है कि अखिलेश का यह बयान सीधे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए दिया गया था।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दोनों नेताओं के बीच जुबानी जंग और भी तेज होती जा रही है। एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने भाषणों में समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर लगातार हमलावर हैं, वहीं अखिलेश भी हर मौके पर पलटवार करने से पीछे नहीं हट रहे हैं।

भाजपा-आरएसएस के खिलाफ आंदोलन करेगी कांग्रेस

उन्होंने कहा कि हर परिवार का 25 लाख का बीमा देंगे। हर जिले में अस्पताल, परिवार की मुखिया महिला को हर महीने 3000 रुपए दिए जाएंगे। स्वयं सहायता समूह को बिना ब्याज के लोन देंगे। कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास की व्यवस्था लागू करेंगे। पिछड़े वर्ग को पूरा हक मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का कोई एजेंडा नहीं है। बीजेपी और आरएसएस के नेता हमेशा कांग्रेस नेताओं की जीभ काटने की बात करते हैं। बीजेपी के विधायकों और सांसदों ने राहुल गांधी के लिए कहा 'आपका भी वही हाल होगा जो आपकी दादी का हुआ है'। उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही? राहुल गांधी को आतंकवादी भी कहा गया। कांग्रेस पार्टी नहीं डरेगी।

हिंसा और नफरत ही आरएसएस-भाजपा का मूलमंत्र

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा और एनडीए नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयान को लेकर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस जबरदस्त तरीके से पलटवार कर रही है। इन सब के बीच प्रियंका गांधी ने भी ट्वीट कर भाई का समर्थन किया है। प्रियंका ने एक्स पर लिखा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जैसे-जैसे मजबूती से जनता की आवाज उठा रहे हैं, वैसे-वैसे उनके खिलाफ जुबानी और वैचारिक हिंसा बढ़ रही है। उन्होंने पूछा कि क्या देश के करोड़ों दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और गरीबों की आवाज उठाना इतना बड़ा अपराध है कि भाजपा, नेता प्रतिपक्ष को "उनकी दादी जैसा हाल" बना देने की धमकियां देने लगी?

कांग्रेस नेता ने कहा कि लगातार एक के बाद एक हिंसक, अभद्र और अमानवीय बयानों से यह साबित होता है कि यह एक संगठित-सुनियोजित अभियान है जो देश के लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक है। उससे भी ज्यादा खतरनाक है प्रधानमंत्री, गृहमंत्री समेत समूचे आरएसएस-भाजपा नेतृत्व का इसे शह देना और कोई कार्रवाई न करना। उन्होंने सवाल किया कि आरएसएस-भाजपा के लोग

क्या अब हिंसा और नफरत को ही लोकतंत्र का मूलमंत्र बनाना चाहते हैं? कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी जी के परिवार ने इस देश के लिए जान न्योछावर की है। देश की एकता और अखंडता के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के लिए की गई टिप्पणियां अभद्र और निंदनीय हैं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहना चाहता हूं कि ऐसे तत्वों और राजनेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। सचिन पायलट ने कहा कि नेता विपक्ष राहुल गांधी पर सरकार के मंत्री और भाजपा के सहयोगी दलों के नेताओं द्वारा की गई ओछी टिप्पणी सही नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि रवनीत बिट्टू भाजपा में अपनी वफादारी साबित करने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। ये सब जानबूझकर किया गया है। इस मामले में सरकार और भाजपा को तत्काल माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विवादित बयान और जान से मारने की धमकी देने देने के लिए यहां केन्द्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू समेत भाजपा और शिवसेना के चार नेताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई तथा प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने यहां तुगलक रोड थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस ने बिट्टू, भाजपा नेता तरविंदर मारवाह, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री रघुराज सिंह तथा शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351, 352, 353, 61 के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

दिल्ली में कांग्रेस नेताओं का प्रदर्शन

हम संविधान की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं

फोटो : राजीव गुप्ता

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस कार्यकताओं ने लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर उनके बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद पुलिस ने उन कांग्रेस कार्यकताओं को हिरासत में ले लिया जो लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर उनके बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। आपको बता दें कि हाल में अपने अमेरिका दौरे के दौरान राहुल ने कुछ ऐसे बयान दिए थे जिससे सिसायी बवाल शुरू हो गया। पलटवार में भाजपा और एनडीए के नेताओं की ओर से भी बयान दिए है। कांग्रेस के दिल्ली अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि हम राहुल गांधी के रास्ते पर चलते हुए संविधान की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। हम बीजेपी से नहीं डरते। कांग्रेस का हर कार्यकर्ता राहुल गांधी के समर्थन में खड़ा है। आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने पार्टी कार्यकताओं के साथ लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दिए गए बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ विजयवाड़ा में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता अजय माकन ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर देश का नंबर एक आतंकवादी कहने के लिए केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी (एआईएमसीसी) प्रमुख अलका लांबा के साथ कांग्रेस पार्टी के कोषाध्यक्ष ने दिल्ली के तुगलक रोड पुलिस स्टेशन में केंद्रीय मंत्री और तीन अन्य राजनीतिक नेताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

कांग्रेस नेता की शिकायत में बिट्टू के अलावा बीजेपी नेता तरविंदर सिंह मारवाह, शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ और उत्तर प्रदेश के मंत्री रघुराज सिंह का भी नाम है। शिकायत की एक प्रति भारत निर्वाचन आयोग को भी भेजी गई है।

अजय माकन ने कहा कि भाजपा के लोग राहुल गांधी के लिए इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं। 'आप संभल जाओ आप बोलो मत नहीं तो आपका भी वही हाल होगा जो आपकी दादी का हुआ है'। वो भी राहुल गांधी के खिलाफ जिसके पिता और दादी ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। राजनीति इस स्तर तक कभी नहीं गिर सकती।

दिल्ली लव कुश रामलीला कमेटी का

भूमि पूजन समारोह लाल किला पर संपन्न

लव कुश रामलीला कमेटी का भूमि पूजन समारोह लालकिला मैदान पर संपन्न हुआ। कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया कि लीला मंचन समारोह 3 से 13 अक्टूबर 2024 तक होगा। दशहरा पर्व 12 अक्टूबर 2024 को पूरे देश में मनाया जाएगा। अर्जुन कुमार ने यह भी बताया कि भूमि पूजन समारोह अर्जुन राम मेघवाल संसदीय कानून राज्य मंत्री, स्वतंत्र प्रभार भारत सरकार, हर्ष मल्होत्रा कॉर्पोरेट एवं सड़क परिवहन राज्य मंत्री भारत सरकार के कर कमलों से संपन्न हुआ।

वृंदावन, मथुरा, दिल्ली के प्रसिद्ध ब्राह्मणों द्वारा मंत्रों के साथ विधिवत तरीके से पूजा अर्चना हुई। कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने आए हुए सभी अतिथियों का पटका, स्मृति चिन्ह, शक्ति की प्रतीक गदा भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अर्जुन राम मेघवाल संसदीय कानून राज्य मंत्री, स्वतंत्र प्रभार भारत सरकार ने कहा कि लव कुश रामलीला कमेटी हमारी भारतीय संस्कृति परंपराओं को जीवित रखे हुए हैं, प्रभु श्री राम की लीला के साथ-साथ मानव सेवा और सामाजिक हित के कार्यों में संलग्न है, हर्ष मल्होत्रा कॉरपोरेट और सड़क परिवहन मंत्री ने कहा कि देश विदेश में प्रख्यात रामलीला कमेटी प्रभु श्री राम का संदेश जन-जन, युवा पीढ़ी जागृत करने के उद्देश्य से रामलीला करती है यह इसके लिए बधाई के पात्र हैं।

अर्जुन कुमार यह भी बताया इस बार रामलीला हाईटेक डिजिटल तरीके से होगी लगभग 100 देश के टीवी चैनलों पर इसका लाइव टेलीकास्ट होगा। इस बार लीला रामेश्वर धाम मंदिर की थीम पर तीन मंजिला मंच पर बॉलीवुड के लगभग 40 फिल्म स्टार लीला का मंचन करेंगे। कमेटी के महासचिव सुभाष गोयल ने बताया कि सागर सिंह कलसी संयुक्त आयुक्त दिल्ली पुलिस, मनोज कुमार मीणा डीसीपी नॉर्थ दिल्ली पुलिस, मोहित बंसल, डिप्टी कमिश्नर एमसीडी, संदीप दीक्षित पूर्व सांसद, देवेंद्र यादव अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी, विधायक प्रहलाद सिंह साहनी, अलका लांबा कांग्रेस नेता, अनिल भारद्वाज, राजेश जैन, संजय शर्मा व अन्य अतिथियों का इस अवसर पर स्मृति चिन्ह दुपट्टा पहना कर सम्मान किया गया व बहुत ही सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।

साहित्य हमारे जीवन के लिए एक अनमोल धरोहर- डॉ संदीप मारवाह

॥ सुनील पाराशर ॥

हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल को अनेक पड़ावों से गुजरना पड़ा है, जिसमें गद्य तथा पद्य में अलग अलग विचार धाराओं का विकास हुआ। जहाँ काव्य में इसे छायावादी, प्रगतिवादी युग, प्रयोगवादी और यथार्थवादी युग, इन चार नामों से जाना गया, वहीं गद्य में इसको, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, रामचंद शुक्ल व प्रेमचंद युग तथा अद्यतन युग का नाम दिया गया है, अद्यतन युग में हमें डायरी, यात्रा विवरण, आत्मकथा, रूपक, रेडियो नाटक, पटकथा लेखन, फिल्म आलेख इत्यादि पढ़ने को मिल जाते है लेकिन आज हम साहित्य को एक नए रूप में भी देखते है जिसे फिल्मी साहित्य भी कहा जाता है, इस फेस्टिवल के द्वारा हम उन सहित्यकारों व फिल्मी सहित्यकारों से मिलेंगे और उनको को सुनेंगे जिन्होंने हमारे समाज की नींव रखी और फिल्मों के जरिए न सिर्फ पढ़ा बल्कि देखा भी गया, यह कहना था मारवाह स्टूडियोज के चेयरमैन व महोत्सव अध्यक्ष संदीप मारवाह का, नॉएडा फिल्मसिटी के मारवाह स्टूडियोज में 10 वां ग्लोबल लिटरेरी फेस्टिवल का हुआ भव्य उदघाटन के अवसर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर साहित्य जगत के कई जानी मानी हस्तियां के

साथ कई देशों के राजदूत भी उपस्थित हुए जिनमें कोमोरोस संघ महावाणिज्यदूत के कमांडर के. एल गंजू, ब्राजील दूतावास के सीडीए मार्कोस स्पेरान्डियो, स्लोवेनिया के राजदूत मातेया वोडेब घोष, तुर्की के राजदूत फिरात सुनेल, कवि और अनुवादक नीना वाघ जो अंग्रेजी नाटककार भी है , सुश्री स्मिता मिश्रा, सुश्री प्रियंका शर्मा कैंतुरा प्रसिद्ध लेखिका ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर राम मनोहर लोहिया का पोस्टर लॉन्च किया गया , पीयूष गोयल की पुस्तक का विमोचन, छात्रों द्वारा स्केच और पेंटिंग व स्टिल फोटोग्राफी प्रदर्शनी लगाई गई. साथ ही

एना डोबोरजिनिड्ज, जॉर्जिया दूतावास की काउंसलर, सांस्कृतिक काउंसलर, ओमान सल्तनत दूतावास के काउंसलर याह्या अल दुगाशी, रूसी दूतावास से एकातेरिना लाजरेवा, पेरू दूतावास के काउंसलर और सांस्कृतिक प्रमुख, एनरिक डेस्काल्जी, को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। जानेमाने फिल्म निर्माता, निर्देशक पंकज पाराशर ने छात्रों के साथ वर्कशॉप भी की महोत्सव निदेशक सुशील भारती ने भी छात्रों को सम्बोधित किया। इस दो दिवसीय फेस्टीवल में जानेमाने साहित्यकारों ने अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही यहां पर फोटो एग्जिबिशन, बुक रिलीज, अवार्ड सेरेमनी, डॉक्यूमेंट्री फिल्म, कवि सम्मेलन और मुशायरा का भी आयोजन किया गया।

370 को फिर से लागू करना असंभव नहीं

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव हो रहे हैं जिसको लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने दावे कर रही हैं। इसी बीच जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने एक बड़ा बयान दिया है। उमर ने कहा कि 370 को फिर से लागू करना असंभव नहीं है। पांच जजों की बेंच का 370 के खिलाफ फैसले को लेकर उमर ने कहा कि सात जजों की बेंच 370 के पक्ष में फैसला दे देगी। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं कई दिनों से कैंप कर रहा हूं। अब पहले फेज का कैंपेन खत्म हुआ और दूसरे चरण का शुरू हुआ। अब इसमें तेजी आएगी।

उमर से जब पूछा गया कि धारा 370 का वापस लौटना अमित शाह ने नामुमकिन बताया है। इस पर पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कोई

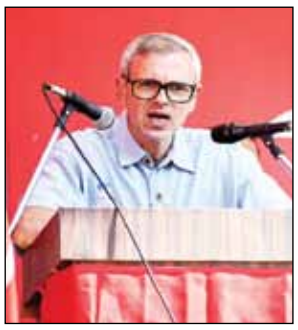

चीज नामुमकिन नहीं है। अगर ऐसा होता तो सुप्रीम कोर्ट ने तीन बार 370 के हक में फैसला किया गया। जब बीजेपी के पास राजीव गांधी के ऐतिहासिक कामयाबी के दौर में दो सांसद थे। तब नामुमकिन क्यों नहीं था। उमर ने कहा कि यह अल्लाह (भगवान) का फैसला नहीं था। संसद का फैसला था और इसका कोई भी फैसला तब्दील हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला पांच जजों की बेंच से आया है।

उन्होंने कहा कि क्या ये मुमकिन नहीं है कि सात जजों की बेंच बैठेगी और 370 के हक में दोबारा अपनी राय देगी। कोई चीज नामुमकिन नहीं है। हमारा मानना है कि यह एक बहुत ही अस्थायी चरण होगा, क्योंकि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना होगा। अगर हमें यह स्वेच्छा से नहीं मिलता है, तो हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। उमर ने कहा कि हमें संसद में पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह से यह वादा मिला है कि जम्मू-कश्मीर को उसका राज्य का दर्जा वापस दिया जाएगा। हमें भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट से भी वादा मिला है। उमर ने कहा कि इसलिए जैसा कि मैंने कहा, यह विधानसभा वह विधानसभा नहीं है जिसे हम चाहते हैं, लेकिन हम जो विधानसभा चाहते हैं वह इसी विधानसभा से निकलेगी

बुलडोजर एक्शनः यह लोगों को डराने के लिए

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

सुप्रीम कोर्ट ने पूरे भारत में उसकी अनुमति के बिना बुलडोजर से तोड़फोड़ पर 1 अक्टूबर तक रोक लगा दी, और जब तक तोड़फोड़ सार्वजनिक सड़कों, जल निकायों, रेलवे लाइनों पर न हो। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह भूमि के नगरपालिका कानूनों के तहत संपत्तियों को कब और कैसे ध्वस्त किया जा सकता है, इस पर निर्देश बनाएगी। इसको लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव का बयान सामने आया है। अखिलेश ने कहा कि बुलडोजर न्याय नहीं हो सकता। यह असंवैधानिक था, यह लोगों को डराने के लिए था।

भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि विपक्ष की आवाज को जानबूझकर दबाने के लिए बुलडोजर चलाया गया। मैं इस निर्देश के लिए सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देता हूं जिससे बुलडोजर बंद हो गया। उन्होंने कहा कि सीएम, यूपी सीएम और बीजेपी के लोगों ने 'बुलडोजर' का महिमामंडन किया जैसे कि यह न्याय है। उन्होंने कहा कि अब, जब सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है, तो मुझे लगता है कि बुलडोजर बंद हो जाएगा और न्याय अदालत के माध्यम से आएगा।

पिछले हफ्ते, जस्टिस हृषिकेश रॉय, सुधांशु धूलिया और एसवीएन भट्टी की सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने "बुलडोजर न्याय" की आलोचना की थी और कहा था कि ऐसे देश में जहां कानून सर्वोच्च है, इस तरह की विध्वंस की धमकियां अकल्पनीय हैं। गुजरात में नगरपालिका अधिकारियों में से एक ने एक परिवार के घर पर बुलडोजर चलाने की धमकी दी, जिनमें से एक का नाम एफआईआर में दर्ज किया गया है। याचिकाकर्ता, खेड़ा जिले के कठलाल में एक भूमि के सह-मालिक ने नगर निगम अधिकारियों के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उनके परिवार की तीन पीढ़ियाँ लगभग दो दशकों से उक्त घरों में रह रही हैं।

एक राष्ट्र-एक चुनाव का प्रयास क्या शासन में सुनिश्चितता लाएगा?

॥ प्रदीप शर्मा ॥

निस्संदेह, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग की तीसरी पारी में बदलावकारी फैसले लेना उतना सहज नहीं रह गया है, जितना पहली-दूसरी पारी में नजर आता था। तीसरे कार्यकाल के सौ दिनों के बीच सरकार के कई फैसलों पर गठबंधन धर्म की गांठें नजर आई हैं। एक दशक की स्वछंद कार्यशैली के बाद अब भाजपा सहयोगी दलों पर निर्भर नजर आ रही है। कहीं न कहीं बदले हालात में पार्टी कई मुद्दों पर यू टर्न लेते हुए भी नजर आई। बहरहाल, लोकसभा में पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति होने के बावजूद खुद को बेफिक्र दिखाने की बेताब कोशिश में पार्टी ने एक बार फिर अपने एक मुख्य एजेंडे- एक राष्ट्र,एक चुनाव- के मुद्दे को हवा दे दी है।

पिछले दिनों स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न राजनीतिक दलों से इस पहल का समर्थन करने के लिये एकजुट होने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि देश में वर्ष पर्यंत चलने वाले चुनाव भारत की प्रगति में बाधक बन रहे हैं। कहा गया कि राजग सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल के भीतर इस महत्वपूर्ण चुनाव सुधार को लागू कराने को लेकर आशावादी है। अब इसे राजग का आशावाद कहें या अति आत्मविश्वास, जो उन्हें इस तथ्य को नजरअंदाज करने देता है कि कई राजनीतिक दलों ने एक साथ चुनाव कराने का विरोध किया था। निस्संदेह, एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिये भाजपा द्वारा नई पहल किए जाने के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। सर्वविदित है कि पिछले लोकसभा चुनाव में

कांग्रेस द्वारा जनाधार बढ़ाने के बावजूद भाजपा देश का प्रमुख राजनीतिक दल बना हुआ है। ऐसे में अगर मतदाता दो साल के बजाय पांच साल में अपने मताधिकार का प्रयोग करता है तो इसका भगवा पार्टी को सबसे ज्यादा लाभ मिल सकता है। राजनीतिक पंडित राजग सरकार की एक राष्ट्र,एक चुनाव की मुहिम के पीछे ऐसी ही सोच बताते हैं।

यह भी हकीकत है कि संसदीय चुनाव और विधानसभा चुनाव में अकसर अलग-अलग मुद्दे प्रभावी होते हैं। ऐसे में एक साथ चुनाव कराये जाने पर एनडीए के साथ गठबंधन न करने वाली क्षेत्रीय पार्टियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। निस्संदेह, लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दलों के लिये समान अवसर उपलब्ध होना जरूरी है। यह भारतीय जनता पार्टी के हित में होगा कि वह एक राष्ट्र,एक चुनाव, के मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिये कड़ी मेहनत करे। साथ ही इसके व्यावहारिक पहलुओं को लेकर हितधारकों द्वारा उठाये गए संदेहों को दूर करने का प्रयास करे। निश्चिय ही यह राजग के लिये बड़ी चुनौती होगी क्योंकि इस बार विपक्ष पहले के मुकाबले मजबूत भी है और एकजुट भी है।

इसमें दो राय नहीं कि यह बात तार्किक है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रयास शासन में सुनिश्चितता लाएगा। वहीं बार-बार के चुनाव खचीर्ले होते हैं। दूसरे राज्य-दर-राज्य लंबी आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य भी बाधित होते हैं। साथ ही साथ शासन-प्रशासन व सुरक्षा बलों की ऊर्जा के क्षय के अलावा जनशक्ति का अनावश्यक व्यय होता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर इसके लागू होने से भारतीय संघीय ढांचे के लिये जो चुनौती पैदा होगी, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वैसे इस बार यदि केंद्र सरकार हरियाणा व जम्मू कश्मीर के साथ-साथ महाराष्ट्र व झारखंड में भी विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का प्रयास करती तो एक राष्ट्र,एक चुनाव के गुण-दोषों का मूल्यांकन करने में मदद मिलती। लेकिन केंद्र ने अपनी राजनीतिक सुविधा व समीकरणों के लिये ऐसी ईमानदार कोशिश नहीं की।

वैसे भी भारत जैसे विविधता वाले देश में जाति, धर्म व संप्रदाय से ग्रसित सोच के बीच एक साथ चुनाव कराना खास जोखिम भरा भी है। पारदर्शी व निष्पक्ष चुनाव के लिये एक साथ चुनावी मशीनरी तथा सुरक्षा बलों की उपलब्धता के यक्ष प्रश्न भी हमारे सामने खड़े हैं। ऐसे में इसके सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आम सहमति बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

बाल कलाकारों द्वारा धार्मिक नृत्य प्रतियोगिता

वर्तमान समय में देश की कला एवं संस्कृति पर पश्चिमी सभ्यता हावी होती जा रही है अतः कला एवं संस्कृति को संजोए रखने के उद्देश्य से अखिल भारतीय संस्था तरुण मित्र परिषद द्वारा बाल कलाकार धार्मिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, लक्ष्मी नगर में आयोजित 21 वीं वार्षिक भव्य नृत्य प्रतियोगिता में 21 बाल कलाकारों ने अपनी परम्परागत वेषभूषा में अपनी अनूठी कला का प्रदर्शन कर सभी उपस्थित कला प्रेमियों का मन मोह लिया तथा नन्हे-मुन्ने बाल कलाकारों को अपनी कला निखारने का सुअवसर मिला।

अध्यापिका नन्दिनी जैन के कुशल निर्देशन में आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में नीता, संगीता व कविता जैन ने दिक्षिता, अनन्या व अद्रिका जैन को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय घोषित किया। सभी विजेताओं को विशेष व अन्य सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार परिषद के पदाधिकारी रविन्द्र जैन व परिषद की संरक्षिका सुधा गुप्ता की ओर से भेंट किए गए। मंच संचालन शुभम जैन ने किया।

इस अवसर पर परिषद के सहसचिव आलोक जैन, संगठन सचिव राकेश जैन, रविन्द्र कुमार जैन, मंदिर उपाध्यक्ष रविन्द्र जैन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

नशा मुक्त भारत अभियान में ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय निभा रहा अहम भूमिका

॥ विवेक जैन ॥

नशा मुक्त भारत अभियान का एक संकल्प लेते हुए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से सात राज्यों से होते हुए नशा मुक्ति अभियान का रथ बागपत नगर में पहुंचा। ब्रह्माकुमारी मेडिटेशन सेंटर गली नंबर 6 में रथ का भव्य स्वागत करते हुए एसडीएम बागपत के द्वारा हरी झंडी दी गई। इस अवसर पर एसडीएम ने कहा कि नशे के कारण आज युवा से लेकर बड़ों तक सबका स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा है। नशा मुक्त भारत अभियान एक मुहीम ऐसी है कि जिससे हम नशे को कम करने में मदद कर सकते हैं। इस अवसर पर गीता दीदी ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान में ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभा रहा है। आज के समय में बीड़ी, सिगरेट, गुटका आदि के साथ-साथ मोबाइल का भी बच्चों से लेकर बड़ों तक में बहुत ही ज्यादा नशा हो रहा है। इस नशे से हम अपने आप को केवल दवाइयो से ठीक नहीं

कर सकते। उसके लिए राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से हम अपने मन को शक्तिशाली बनाकर व अपनी शक्तियों को बढ़ाकर इस नशे से मुक्त रह सकते हैं और जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। यह यात्रा बागपत नगर के विभिन्न बाजारों से होती हुई वापस गली नंबर 6 में आयी। इस अवसर पर एडवोकेट सोनिया चौधरी, मनजीत कौर, एडवोकेट रेखा, गली नंबर 6 के सभासद पति विनोद शर्मा, सरिता दीदी, पल्लवी दीदी, गोपाल माधव, नीरज वर्मा उर्फ मोनू सहित सैकड़ो की संख्या में लोगों उपस्थित थे।

एक राष्ट्र-एक चुनावः कांग्रेस का विरोध

यह चुनावी हथकंडा-जनता स्वीकार नहीं करेगी

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव का विरोध करते हुए इसे अव्यावहारिक बताया। उन्होंने एक साथ चुनाव के प्रस्ताव को मंजूरी को चुनाव से पहले एक चुनावी हथकंडा करार देते हुए कहा, 'जब चुनाव आते हैं, तो वे (भारतीय जनता पार्टी) ये सब बातें कहते हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता भी इसे स्वीकार नहीं करेगी। उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दिये जाने के बाद आयी है।

इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाले एक पैनल ने लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले मार्च में रिपोर्ट सौंपी थी। खड़गे ने कहा कि हम इसके साथ नहीं खड़े हैं। लोकतंत्र में एक देश एक चुनाव नहीं चल सकता। यदि हम चाहते हैं कि हमारा लोकतंत्र जीवित रहे तो आवश्यकता पड़ने पर चुनाव कराने होंगे। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इस देश में यह बिल्कुल भी व्यावहारिक नहीं है। वे मौजूदा मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहते हैं।

राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि एक देश, एक चुनाव नहीं हो सकता, कानून में संशोधन करना होगा और उनके पास कानून में संशोधन के लिए पर्याप्त बहुमत नहीं है। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा करते हैं। महिला आरक्षण बिल तो पास हो गया, लेकिन क्या इसे लागू किया गया? इसी तरह एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रचार-प्रसार चल रहा है।

मंत्रिमंडल के समक्ष रिपोर्ट पेश करना विधि मंत्रालय के 100 दिन के एजेंडे का हिस्सा है। उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी, जिसके बाद 100 दिन के भीतर एक साथ स्थानीय निकाय चुनाव कराने की सिफारिश की गयी। समिति ने सिफारिशों के क्रियान्वयन पर नजर रखने के लिए एक क्रियान्वयन समूह गठित करने का भी प्रस्ताव दिया था। उसने कहा था कि एक साथ चुनाव कराने से संसाधनों को बचाने, विकास और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने, लोकतंत्र की नीव को मजबूत करने और भारत की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली केसरी दंगल का आयोजन

॥ चंद्र मोहन शर्मा ॥

जामा मस्जिद इतहादी दंगल मैदान में शुरू हुए दिल्ली केसरी दंगल में विजेता पहलवानों का उत्साह बढ़ाने और पुरस्कार प्रदान करने आए कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय में कॉरपोरेट कार्य राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा लंबे अरसे से हम कुश्ती के किसी भी अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले में कोई भी मेडल अगर नहीं जीत पा रहे है तो इसकी वजह कुश्ती का विकास करने और पहलवानों का मनोबल बढ़ाने के लिए कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

उन्होंने कहा दिल्ली केसरी दंगल पहलवानों का मनोबल तो बढ़ाएगा ही साथ ही कॉमन वेल्थ, ओलंपिक से मेडल लाने के करोड़ो भारतीयों के सपने को साकार करने की किरण है।

यहां दिन भर चले दंगल चले दंगल में अलग-अलग वर्ग की 200 कुश्तियां हुई और देर शाम छत्रसाल स्टेडियम के अनिरुद्ध पहलवान दिल्ली केसरी बने और उन्हे मंत्री महोदय के साथ अखिल भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष अंकुश अग्रवाल ने एक लाख रु का नगद पुरस्कार भी दिया। इसी क्रम में क्षत्रसाल स्टेडियम के ही लक्ष्य सहरावत को द्वितीय पुरस्कार की शील्ड और 51 हजार रु नगद तथा अजय चाहर को तृतीय स्थान और संदीप

को चौथा स्थान मिला इन दोनों को दंगल कमेटी ने 25-25 हजार रु नगद पुरस्कार दिया गया।

दिल्ली केसरी दंगल में इस बार 200 से ज्यादा पहलवानों ने हिस्सा लिया और उन्हें 5 लाख रु के कैश प्राइज दिए गए, दिल्ली केसरी दंगल में आए केंद्रीय मंत्री और अलग-अलग अखाड़ों से आए खलीफाओं और कोच का दंगल कमेटी के रिंकू निगम ने परंपरागत ढंग से स्वागत किया।

कमेटी के प्रेसीडेंट अंकुश अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली एनसीआर में कुश्ती के अलग-अलग मुकाबले कराए जाएंगे।

50 गांव को बाल विवाह मुक्त बनाया जायेगा

॥ श्रीभगवान ॥

धौलपुर जिले में बाल विवाह के खिलाफ बाल विवाह ऐसी कुप्रथा है, जिससे वर-वधू का भविष्य अन्धकारमय बन जाता है। इससे समाज में कई विकृतियाँ आ जाती हैं , कभी-कभी यौनाचार भी हो जाता है। अतः इस कुप्रथा का निवारण अपेक्षित है , तभी समाज को इस अभिशाप से मुक्त कराया जा सकता है।

राजस्थान में अभी भी जारी बाल विवाह पर हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाई कोर्ट ने कहा है कि अगर राज्य के किसी गांव में बाल विवाह होता है तो इसके लिए पंच और सरपंच को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

इसी पहल पर मंजरी फाउंडेशन के द्वारा न्याय तक पहुंच कार्यक्रम के माध्यम से 50 गाँवो को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया गया है।

इसी कड़ी में मंजरी फाउंडेशन के द्वारा जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के अंतर्गत न्याय तक पहुंच कार्यक्रम के तहत बाड़ी ब्लॉक के मरहोली ग्राम पंचायत के लॉलोनी हार में किशोरियों को बाल विवाह, बाल शोषण के बारे में जानकारी दी गई ।

मंजरी फाउंडेशन के प्रोजेक्ट इंचार्ज सुबोध गुप्ता ने बताया कि जिला बाल सरंक्षण इकाई के साथ मिलकर बच्चों का हित सर्वोपरि के लिए आमजन को जागरूक करने, बच्चों के प्रति संवेदनशील बनाना भी इसलिए कार्यक्रम के उदेश्यों में शामिल है। जिला कलेक्टर के सुरक्षित बचपन वाला जिला बनाने की मुहिम में ये पहल बहुत महत्वपूर्ण होंगी।

न्याय तक पहुंच कार्यक्रम के माध्यम से 50 गाँवों को बाल विवाह मुक्त गांव बनाने का लक्ष्य है जिसमें विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण आदि आयोजित किये जायेंगे। सरपंच, पंच और अन्य हितधारकों को संवेदनशील बनाया जायेगा।

राष्ट्र निर्माण पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने डॉ आनंद कुमार

॥ सुनील पाराशर ॥

ग्रीन पार्क नई दिल्ली में राष्ट्र निर्माण पार्टी द्वारा अपने प्रमुख पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ एक सभा का आयोजन किया जिसमें डॉक्टर आनंद कुमार को एक बार फिर से समिति ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चयन किया। इस अवसर पर पार्टी के संस्थापक ठाकुर विक्रम सिंह ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर आनंद ने इस पार्टी के कार्य को बखूबी संभाला है, वह पार्टी को और भी आगे ले जाएंगे बस हम सबको उन्हें तन- मन -धन से सहयोग करना है, डॉक्टर आनंद जो कि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं गृह मंत्रालय में दे चुके हैं।

लिंक्डइन द्वारा गुरमुख सिंह बावा को 'टॉप सिविल एविएशन वॉयस' के रूप में मान्यता

नागरिक विमानन के क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता और योगदान के लिए एक महत्वपूर्ण मान्यता के रूप में, एक स्वतंत्र वरिष्ठ नागरिक विमानन सलाहकार, और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) में पूर्व महाप्रबंधक (पीआर) गुरमुख सिंह बावा, को दुनिया के सबसे बड़े प्रोफेशनल नेटवर्क लिंक्डइन द्वारा "टॉप सिविल एविएशन वॉयस" के रूप में नामित किया गया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता बावा के व्यावहारिक योगदान का प्रमाण है, जिसने दुनिया भर के विमानन पेशेवरों को प्रभावित किया है। लिंक्डइन की एक अधिसूचना नागरिक विमानन में एक विश्वसनीय श्रोत के रूप में बावा की भूमिका को न केवल उभारती है बल्कि उद्योग चचाओं उनके विचार के प्रभाव को स्वीकार करती है। इस क्षेत्र में उनकी उपलब्धि पेशेवरों के लिए प्रेरणा का काम करती है:

बावा को "टॉप वॉयस" के रूप में मान्यता मिलना उद्योग के प्रति उनके निरंतर समर्पण को दशार्ता है, और पेशेवर हलकों में नागरिक विमानन को देखने के नजरिया को दिशा देता है। लिंक्डइन ने उद्योग के भीतर विकास और नवाचार को बढ़ावा देने वाली बातचीत को प्रभावित करने और नेतृत्व करने की उनकी क्षमता के लिए श्री बावा की सराहना की करते हुए कहा है की उनकी विशेषज्ञता को अत्यधिक

महत्व दिया जाता है और व्यापक रूप से इसकी मांग की जाती है। उनके दृष्टिकोण वैश्विक स्तर पर नागरिक विमानन के प्रति जनमानस की सोच को आकार देने में सहायक हैं और उनका प्रभाव भौगोलिक और व्यावसायिक सीमाओं से परे है। यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियों की मान्यता है, बल्कि नागरिक विमानन क्षेत्र में हो रहे बदलाव में योगदान जारी रखने के लिए दूसरों से आह्वान भी है। बावा का विचार नेतृत्व विमानन पेशेवरों की अगली पीढ़ी के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है, निरंतर सीखने, सहयोग और नवाचार को प्रोत्साहित कर रहा है।

अपने परामर्श कार्य के अलावा, बावा विमानन क्षेत्र के भीतर नेतृत्व विकास और ज्ञान साझा करने पर केंद्रित विभिन्न पेशेवर संगठनों में सक्रिय रूप से जुड़े हैं। वह वर्तमान में एयर ट्रैवलर्स एसोसिएशन के महासचिव, पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी, दिल्ली के सचिव, FAST के कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में कार्य करते हैं, और ACI, ICAO जैसे वैश्विक संगठनों से गहराई से जुड़े हुए हैं और हवाई यात्रियों के कल्याण और हितों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

यह प्रतिष्ठित लिंक्डइन सम्मान गुरमुख सिंह बावा की एक उद्योग नेता के रूप में स्थिति का एक स्पष्ट संकेतक है, और यह वैश्विक नागरिक विमानन समुदाय पर उनके स्थायी प्रभाव को रेखांकित करता है। उनका विचार नेतृत्व, समर्पण और दृष्टि नागरिक विमानन में अधिक अभिनव और सहयोगी भविष्य की ओर पेशेवरों को प्रेरित और मार्गदर्शन करना जारी रखती है।

हरियाणा में कांग्रेस का गारंटी पत्र

|| राष्ट्र टाइम्स ||

हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने गारंटी पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पार्टी की सात गारंटियां गिनाई हैं। कांग्रेस का कहना था कि राज्य में अगर हमारी सरकार बनती है तो गरीबों को दो कमरे का मकान दिया जाएगा और हर महीने महिलाओं को 2 हजार रुपए दिए जाएंगे। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान का कहना था कि बीजेपी के शासन में हरियाणा में अपराध बढ़ गए हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए दो हजार रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। 18 वर्ष से 60 वर्ष की महिलाएं पात्र होंगी। महंगाई का बोझ कम करने के लिए 500 रुपए में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। लोगों की कठिनाई कम करने के लिए बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं को 6 हजार रुपए पेंशन देगी। रिटायर्ड कर्मचारियों का जीवन आसान बनाने के लिए ओपीएस लागू किया जाएगा। युवाओं को बेहतर भविष्य दिया जाएगा। 2 लाख खाली पदों को भरा जाएगा। हरियाणा को नशा मुक्त बनाया जाएगा। 300 यूनिट फ्री

फोटो : जगन नेगी

बिजली दी जाएगी। इसके साथ ही खड़गे ने ऐलान किया कि हर घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया जाएगा। गरीबों को 100 वर्ग गज का प्लॉट और निर्माण लागत के रूप में 3.5 लाख रुपये दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हम प्रदेश के किसानों को एमएसपी की गारंटी देते हैं। हम जातीय जनगणना भी कराएंगे। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस सरकार 18 साल से ऊपर की हर महिला को सशक्त बनाने के लिए 2000 रुपये प्रति माह देगी। 500 रुपये में एलपीजी गैस सिलेंडर। वरिष्ठ नागरिकों को 6,000 रुपये पेंशन। पुरानी पेंशन योजना बहाल की जायेगी।

उन्होंने कहा कि 2 लाख खाली सरकारी नौकरियां भरी जाएंगी। हरियाणा को नशा मुक्त बनाया जाएगा।

चिरंजीवी योजना की तर्ज पर 25 लाख रुपये का मुफ्त इलाज कराया जाएगा। बिजली की 300 यूनिट मुफ्त। गरीब परिवारों को 100 गज के प्लॉट दिए जाएंगे। हम कानूनी एमएसपी गारंटी सुनिश्चित करेंगे। कांग्रेस ने यह वादा भी किया है कि सत्ता में आने पर वह पुरानी पेंशन योजना को लागू करेगी तथा हर परिवार को 500 रुपए का रसोई गैस सिलेंडर देगी।

उदयभान ने कहा, चिरंजीवी योजना की तर्ज पर 25 लाख रुपये का मुफ्त इलाज कराया जाएगा। गरीब परिवारों को 100 गज के प्लॉट दिए जाएंगे। हम कानूनी एमएसपी गारंटी सुनिश्चित करेंगे।

महिलाओं को हर माह 2,100 रुपये

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने हरियाणा विधानसभा चुनाव का घोषणापत्र जारी कर दिया। घोषणापत्र पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जारी किया। 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 5 अक्टूबर को होगा जबकि वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी। घोषणापत्र के अनुसार, लाडो लक्ष्मी योजना के तहत सभी महिलाओं को प्रति माह 2,100 रुपये दिए जाएंगे। आईएमटी खरखौदा की तर्ज पर 10 औद्योगिक शहरों का निर्माण किया जाएगा और प्रति शहर 50,000 स्थानीय युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा।

नड्डा ने कहा कि हम तो हरियाणा की सेवा नॉन स्टॉप कर रहे हैं और इसे नॉन स्टॉप करने में आपको बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभानी है। हमने जो कहा था वो किया है, जो नहीं कहा था वो भी किया है और जो कहेंगे वो भी करेंगे। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तब 1,158 करोड़ रुपये किसानों को फसल का मुआवजा दिया गया, जबकि भाजपा सरकार के दौरान

किसानों को 12,500 करोड़ रुपये फसल का मुआवजा दिया गया। कांग्रेस की सरकार की तुलना में भाजपा सरकार के दौरान किसानों को करीब 10 गुना ज्यादा फसल का मुआवजा दिया गया।

अध्यक्ष ने साफ तौर पर कहा कि हमारा घोषणा पत्र हमारा संकल्प है...। भाजपा सरकार समयबद्ध तरीके से अगली बार जब आपके सामने आएगी, तब संकल्प पत्र में किए गए सारे वादों को पूरा करके आएगी। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने तय किया है कि सभी महिलाओं को 'लाडो लक्ष्मी योजना' के तहत प्रतिमाह 2,100 वित्तिय सहायता प्रदान की जाएगी। IMT खरखौदा की तर्ज पर 10 औद्योगिक शहरों का निर्माण किया जाएगा और आस-पास के गांवों के 50 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। इसी प्रकार से चिरायु आयुष्मान के तहत 5 लाख प्रति वर्ष मिलने वाली राशि को 10 लाख किया जाएगा।

हिन्दी दिवस के अवसर पर विराट कवि सम्मेलन

हिन्दी दिवस के अवसर पर बी के टी कार्यालय पर सृष्टि संवेदना करू कमलांजलि राष्ट्रीय साहित्यिक मंच के तत्वावधान में एक विराट कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें कवियों साहित्यकारों ने हिन्दी के महत्व को अपनी कविताओं के द्वारा व्यक्त किया। मुस्करा हमीरपुर से आये बरिष्ठ कवि बद्री प्रसाद द्विवेदी की अध्यक्षता, निवर्तमान उप महापौर सुशीला दुबे के मुख्य अतिथ्य तथा भाजपा नेत्री गुड्डी रानी पटेल के विशिष्ठ अतिथ्य में हुये इस हिन्दी दिवसीय कवि सम्मेलन का शुभारंभ कार्यक्रम संयोजिका पंकज चतुर्वेदी सृष्टि एवं अतिथिगणों के द्वारा मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ।

इस मौके पर कवियों के साथ मुख्य अतिथि, निवर्तमान उप महापौर सुशीला दुबे, भाजपा नेत्री गुड्डी रानी पटेल, सरिता सोनी, प्रधानाचार्य आदर्श जनप्रिय इंटर कॉलेज सुनील शर्मा को शॉल उड़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन बरिष्ठ साहित्यकार हरनाथ सिंह चौहान ने तथा आभार मंच संस्थापिका पंकज चतुर्वेदी 'सृष्टि' ने ब्यक्त किया।

इस अवसर सदर विधायक प्रतिनिधि गोकुल दुबे, बरिष्ठ पत्रकार महेश पटैरिया, राकेश त्रिपाठी, श्रीमती अपर्णा खरे सारन्दानगर, जितेन्द्र पटेल, अभिषेक शर्मा , राकेश सेन, मुकेश तिवारी अंसार सिद्दकी आदि उपस्थित रहे।

इंडिया गेट पर राजस्थानी फूड काउन्टर

|| मनोज शर्मा ||

संसद भवन, प्रधानमंत्री आवास और केंद्र सरकार के प्रमुख दफ्तरों वाले दिल्ली के सेंट्रल विस्टा में राजस्थानी फूड काउन्टर का भव्य शुभारंभ हुआ। दुनियाभर से इंडिया गेट देखने आने वाले पर्यटकों, देशभर से आने वाले सांसदों, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को राजस्थानी खाना उपलब्ध होगा।

इंडिया गेट पर दक्षिण की ओर स्थित शॉप न. 8 में राजस्थानी फूड काउन्टर का आरटीडीसी प्रबन्ध निदेशक श्रीमती सुषमा अरोड़ा एवं कार्यकारी निदेशक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने फीता काटकर शुभारंभ किया।

निगम प्रबंध निदेशक श्रीमती

सुषमा अरोड़ा ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा असली राजस्थानी जायके से देश दुनियां को रूबरू करवाएं, लोग राजस्थान के स्वाद से वाकिफ हो सके, इसलिए गुणवत्ता के साथ जोधपुर के मिर्ची बड़े, प्याज कचोरी, कोटा हींग दाल की कचोरी, जयपुरी समोसा, राजवाड़ा कोफ्ता, पुष्कारी ब्रेड पकोड़ा, मावा कचोरी, जयपुरी राजभोग, गुलाब जामुन, जोधपुरी दूध के लड्डू, जयपुरी घेवर, अलवरी मिल्क केक, मोतीचूर के लड्डू, माखनिया लस्सी, मसाला चाय सहित अन्य कई राजथानी व्यंजन अभी उपलब्ध करवाए जा रहे है। उन्होंने बताया कि अभी यह शुरूआत है आने वाले समय में राजस्थानी थाली, दाल बाटी चूरमा सहित राजस्थान के प्रसिद्ध व्यंजन उपलब्ध करवाए जाएंगे। आरटीडीसी के कार्यकारी निदेशक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि सोशल वेलफेयर के नाते आरटीडीसी द्वारा समय-समय पर नवाचार किये जाते रहे है, चाहे वो मिडवे कंसेप्ट हो या दुनियां की सबसे लग्जरी ट्रेन पैलेस ऑन व्हील्स। यह भी इसी तरह राजस्थानी जायके को दुनियाभर में फैलाने का हमारा छोटा सा प्रयास है। निगम द्वारा अच्छी गुणवत्ता के साथ राजस्थान के सुप्रसिद्ध व्यंजन उपलब्ध करवाए जाएंगे।

उद्घाटन कार्यक्रम में राजस्थान के सभी विभागों में पदस्थापित अधिकारी, कर्मचारियों एवं आमजन उपस्थित रहे।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी: 24-25 के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (NIU) ने अकादमिक ब्लॉक में सत्र 2024-25 के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने नए छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संस्कृति, मूल्य और जीवंत समुदाय से परिचित कराया।

कार्यक्रम की शुरूआत गणमान्य व्यक्तियों के परिचय और पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह से हुई। इसके बाद स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (SJMC) द्वारा निर्मित एक विश्वविद्यालय वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया गया।

मुख्य वक्ताओं में डॉ. विक्रम सिंह, कुलाधिपति; प्रो. (डॉ.) उमा भारद्वाज, कुलपति; और डॉ. मुकेश पराशर, रजिस्ट्रार, नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी शामिल थे, जिन्होंने छात्रों को मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान की। मुख्य अतिथि, आईपीएस शंतनु मुखर्जी द्वारा दी गई प्रेरणादायक स्पीच ने छात्रों को उनके शैक्षणिक सफर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम को रूसी विज्ञान और संस्कृति केंद्र से आए विशिष्ट प्रतिनिधियों, सुश्री एकातेरिना डिन्याक, अनार इसाएव की उपस्थिति ने और भी प्रभावशाली बना दिया। उन्होंने शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, रजिस्ट्रार कार्यालय और परीक्षा नियंत्रक द्वारा छात्रों को शैक्षणिक प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट निदेशक ने छात्रों के करियर विकास के अवसरों पर भी चर्चा की।

समारोह का समापन नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स की डीन, डॉ. अपर्णा शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ, ओरिएंटेशन दिवस ने शैक्षणिक वर्ष के लिए सकारात्मक शुरूआत की और छात्रों को ठक्व की सहायता प्रणालियों और शैक्षणिक ढांचे के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। NIU की सांस्कृतिक समिति की प्रमुख, सुश्री खुशबू ने कहा, "NIU में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम जिसमें प्रशासन और छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

राजेंद्र पाल गौतम "पू.मंत्री दि.स." के कांग्रेस में शामिल होने के उपरांत प्रगति मिडिल पब्लिक स्कूल सुन्दर नगरी दिल्ली मे आगमन पर सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम के आयोजक - ललित चौहान के साथ मिलकर फूलमाला व शाल से स्वागत किया, इस दौरान रविदास ज.क.समिति के संरक्षक पटेल रामदास मंडराई ने अपने द्वारा लिखित मूल भारतीयों पर शोषण का इतिहास एवम तथागत बुद्ध का सन्देश नामक लघु पुस्तिका भेंट करके उनका सम्मान के साथ स्वागत किया मंडराई ने कहा कि गौतम साहेब जब से राजनीति में आये हैं तब से वे दलितों, अल्पसंख्यकों, बहुजनों के अधिकार और क्षेत्र की समस्याओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, उम्मीद हैं कि भविष्य मे भी उनका यह संघर्ष जारी रहेगा। - रामदास मालवीय

एसआरएम आईएसटी-दिल्ली एनसीआर कैंपस-गाजियाबाद में इंजीनियर्स डे मनाया गया

एसआरएम गाजियाबाद ने अपने कैंपस में एक सप्ताह तक इंजीनियर्स डे मनाया, जो उनके दूरदर्शी नेता, एसआरएम गाजियाबाद के निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन को समर्पित था। उन्होंने कहा कि एसआरएम के चांसलर एक सच्चे वास्तुकार और इंजीनियर थे। लाखों छात्रों और कर्मचारियों को विश्व स्तरीय शिक्षा और अवसर प्रदान करने के प्रति उनका समर्पण शिक्षा और नवाचार के भविष्य को आकार देने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

इस समारोह को सम्मानित मुख्य अतिथि, 'डॉ. देबब्रत नाइक', कार्यकारी निदेशक, पीडब्ल्यूसी प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम, भारत द्वारा और समृद्ध किया गया, जिन्होंने इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के भविष्य पर व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान किए।

विश्वनाथन ने कहा कि हमें अपने प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को स्वीकार करने में भी बहुत गर्व है:
शिवी कुलश्रेष्ठ – डेलोइट
पुलकित गुप्ता – डेलोइट, यूएस
सुश्री शिवांगी भास्कर – श्नाइडर इलेक्ट्रिक
जोशित सिंह – किंग्स भारत
सौरभ गांधी – वाल्वोलिन कमिंस प्राइवेट लिमिटेड

उनकी सफलता पूरे समुदाय के लिए एक प्रेरणा है और यूनिवर्सिटी चांसलर के विजन द्वारा रखी गई ठोस नींव का प्रतिबिंब है।

कॉलेजियम प्रणाली के खात्मे - न्यायिक सुधारों की मांग

॥ मनोज शर्मा ॥

नेशनल लॉयर्स कैंपेन फॉर ज्यूडिशियल ट्रांसपेरेंसी एंड रिफॉर्म्स (एनएलसी) ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया, जिसमें भारत की कॉलेजियम प्रणाली और इसके न्यायिक नियुक्तियों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम की शुरूआत एनएलसी के अध्यक्ष मैथ्यूज जे नेदुमपारा द्वारा की गई, जिसमें मुख्य रूप से न्यायिक सुधारों की जरूरत और कॉलेजियम प्रणाली को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। एनएलसी ने कॉलेजियम प्रणाली को भाई-भतीजावाद का जरिया बताते हुए कहा कि यह उच्च न्यायपालिका में योग्यता आधारित नियुक्तियों का गला घोंटता है।

इस दौरान नेदुमपारा ने अपने संबोधन में कहा कि आज की न्यायपालिका "सुप्रीम विधायिका, सुप्रीम कार्यपालिका और सुप्रीम न्यायपालिका" बन गई है, जिसकी कल्पना देश के संस्थापकों ने कभी नहीं की थी।

उन्होंने पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन और कॉलेजियम प्रणाली के दुरुपयोग का जिक्र करते हुए कहा, "इससे न्यायपालिका ने अतिरेक किया है और हमारे लोकतंत्र में शक्ति का संतुलन बिगड़ गया है।" उन्होंने कॉलेजियम प्रणाली को बदलने के लिए 99वें संविधान संशोधन का भी हवाला दिया, जिसे पारदर्शी न्यायिक नियुक्ति प्रणाली लाने के उद्देश्य से लाया गया था, लेकिन इसे सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया।

एनएलसी के उपाध्यक्ष डॉ. चित्तूर राजमन्नार ने कहा कि संस्था न्यायिक प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "कॉलेजियम प्रणाली ने ताकतवर और प्रभावशाली लोगों को न्यायपालिका में जगह दी है, जबकि योग्य उम्मीदवार, विशेषकर हाशिए पर खड़े तबकों के, नजरअंदाज किए जाते हैं। यह प्रणाली बदलनी चाहिए ताकि न्यायिक प्रणाली में लोगों का विश्वास बहाल हो सके।"

एनएलसी द्वारा हाल ही में दायर एक नई याचिका पर भी चर्चा हुई, जिसमें वर्तमान न्यायिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को चुनौती दी गई है। नेदुमपारा ने पुष्टि की कि सुप्रीम कोर्ट जल्द ही इस मामले की सुनवाई करेगा। एनएलसी ने इस मुद्दे पर जन जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया और आशा जताई कि यह प्रेस कॉन्फ्रेंस वर्तमान न्यायिक ढांचे की खामियों को उजागर करेगी।

कार्यक्रम का समापन न्यायिक सुधारों के लिए सामूहिक अपील के साथ हुआ, जिसमें नेदुमपारा ने कहा, "हम न्यायिक प्रणाली में पारदर्शिता, योग्यता और निष्पक्षता लाने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।"

दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी संगठन का कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर

॥ राकेश जाखेटिया ॥

दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी संगठन के मार्गदर्शन में शाह ऑडिटोरियम राज निवास पर कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का भव्य आयोजन किया गया कार्यशाला में संविधान की रचना, संगठन में संवाद कौशल, पदाधिकारी के कर्तव्य एवं अधिकार, समूह में काम करने की कला आदि पर समझाया गया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सतीश चरखा द्वारा एक कार्यशाला लगाकर सभी को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम 5 घंटे तक चला। लगभग 150 कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया गया।

उत्तरांचल के संयुक्त मंत्री ओम तापड़िया, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा कार्यसमिति के सदस्य महेश रांदड तथा अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने भी भाग लिया । श्रीमती किरण लड्ढा ने संगठन एवम कार्यकताओं के बीच की भूमिका को विस्तार से समझाया।

दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी संगठन के मंत्री मनीष भंसाली के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली प्रदेश के 4 क्षेत्रीय जिलों के अध्यक्ष अनिल गगरानी, राकेश माहेश्वरी, अशोक सोमानी, सुरेंद्र महेश्वरी के द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की व्यवस्था को दिल्ली प्रदेश के महेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष बादल महेश्वरी (असावा), चारों प्रदेश के मंत्री अंशुल महेश्वरी, राजीव महेश्वरी, लक्ष्मी नारायण सोमानी एवं विशाल महेश्वरी के नेतृत्व में की गई थी

दिल्ली प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष नीरज पल्तानी एवं डॉक्टर एस एन चांडक ने अपने-अपने कार्यकाल के अनुभव को कार्यकताओं को बताया ।

समय अभाव के कारण समाज के रीति रिवाज पर, समाज शिक्षित कैसे हो, शिक्षा रोजगार उन्मुख कैसे हो, संस्कारों पर, समाज के बच्चे गलत संगत में ना पड़े, समय पर बच्चों की शादी आदि अनेकों विषयों पर चर्चा ना हो सकीं।

भाजपा से विवेक काबरा, डी के राठी, मिडिया जगत से राकेश जाखेटिया, विकास महेश्वरी (बॉबी), मनोज जाखेटिया आदि अनेक गणमान्य सदस्यों ने प्रशिक्षण में भाग लिया ।

डा ए के वालिया की स्मृति में निशुल्क हैल्थ कैम्प

डा वालिया चैरिटेबल ट्रस्ट लक्ष्मी नगर, दिल्ली द्वारा श्रीमती अचला चौधरी चेयरपर्सन और पीयूष चौधरी सचिव के नेतृत्व में कृष्णा मंदिर, गणेश नगर – 2, शकरपुर, दिल्ली पर फ्री हैल्थ CHECK-UP कैम्प का आयोजन किया गया। निःशुल्क निस्वार्थ सेवा सुविधाओं का क्षेत्रीय सैकड़ों लोगों ने अधिक से अधिक लाभ उठाया। इस फ्री कैम्प में उपल्बध सुविधाएं मुफ्त रक्त चाप परीक्षण, मुफ्त ब्लड शुगर जाँच, ह्रदय रोग जाँच (ई.सी.जी) निःशुल्क , विशषज्ञों द्वारा मुफ्त सलाह, मुफ्त BMD Camp मशीन द्वारा हड्डियों की जाँच, दवाइयों का वितरण इत्यादि उपलब्ध थे। हेल्थ कैंप के इंचार्ज सतीश भट्ट ने बताया कि हम पिछले कई वर्षों से डॉक्टर ए के वालिया पूर्व मंत्री दिल्ली सरकार की स्मृति में कृष्णा मंदिर में हर महीने 1, 3, व 5वें रविवार को फ्री हेल्थ कैंप का आयोजन करते आ रहे है। कृष्ण मंदिर और उसकी सारी समिति का हमें भरपूर सहयोग मिल रहा है। इस मौके पर क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी और कई आर डब्लू ए के सदस्य गण उपस्थित हुए और चैरिटेबल ट्रस्ट की भूरि भूरि प्रशंसा की। इसमें मुख्यतः क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्याशी डॉ हरिदत्त शर्मा, हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई एकता कमेटी के संगठन सचिव एडवोकेट हरीश गोला, पाल समाज के अध्यक्ष व समाजसेवी सुभाष पाल, मंदिर समिति के महासचिव श्याम सुन्दर रेलहन, सचिव अशोक शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी देवेंद्र सिंह नेगी, भंडार प्रभारी मंटू राय, कैशियर रमाकांत पांडेय, सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कैम्प में माननीय चिकित्सकों में विमला देवी अस्पताल के डॉ राकेश गुप्ता, डॉ. रजी, डॉ. कल्पना, डॉ. शशांक, डॉ. आलोक, नितिन वर्मा ने अपने स्टाफ के साथ इस कैंप में सेवाएं दी।

पितृ पूजा या पितर कर्म क्यों करना चाहिए?

शास्त्रों में देवताओं के कार्य की अपेक्षा पितरों के कार्य को विशिष्ट माना गया है; इसलिए देवताओं की पूजा से पहले पितरों का कार्य करना चाहिए।

पितरों के कार्य को ही 'श्राद्ध कर्म', 'पितृ कर्म', 'पितृ पूजा' या 'पितर पूजा' कहते हैं। पितरों के निमित्त तर्पण और श्राद्ध आदि करना 'पितृ यज्ञ' कहलाता है।

यह ध्रुव सत्य है कि जीवन की समाप्ति मृत्यु से ही होती है। जीवात्मा इतना सूक्ष्म होता है कि जब वह शरीर से निकलता है, उस समय कोई भी मनुष्य अपने खुले नेत्रों से उसे देख नहीं सकता है। मनुष्य की मृत्यु के बाद उस प्राणी के उद्धार की जिम्मेदारी उसके पुत्र और पौत्रों की होती है। इसीलिए कहा गया है—'पुं नाम नरकात त्रायते इति पुत्रः' अर्थात 'नरक से जो रक्षा करता है, वही पुत्र है।' यदि पिता नरक में पहुंच गया है तो नरकों से उसका उद्धार (श्राद्ध तर्पण आदि द्वारा) करके पिता को सद्गति प्राप्त करा देना, पुत्र का कर्तव्य है; इसीलिए उसे 'पुत्र' कहा जाता है।

पितृ पूजा या पितृ कर्म क्यों करने चाहिए ?

भारतीय संस्कृति में पितृ ऋण से मुक्त होने के लिए अपने माता-पिता तथा परिवार के अन्य मृत प्राणियों के निमित्त श्राद्ध करना अनिवार्य माना गया है। इसका कारण यह माना गया है कि—

सामान्य प्राणी से जीवन में पाप और पुण्य दोनों होते हैं। पुण्य का फल स्वर्ग और पाप का फल नरक माना गया है। स्वर्ग-नरक भोगने के बाद जीव पुनः संसार की भवाटवी अर्थात चौरासी लाख योनियों में भटकने लगता है। उस समय पुण्यात्मा लोगों को मनुष्य योनि या देवयोनि मिलती है और पापात्मा जीव पशु-पक्षी, कीड़े-मकोड़े आदि तिर्यक योनि प्राप्त करते हैं। मनुष्य की मृत्यु के बाद उस प्राणी के उद्धार के लिए पुत्र-पौत्रों का कर्तव्य होता है कि वे शास्त्रों में बताए गए कुछ ऐसे कर्म करें जिससे प्राणी को परलोक में या अन्य योनियों में भी सुख की प्राप्ति हो सके।

शास्त्रों में मनुष्य का मरणकाल निकट आने पर उसके कल्याण के लिए विभिन्न प्रकार के दान आदि किए जाने वाले कर्मों का वर्णन मिलता है। साथ ही मृत्यु के बाद और्ध्वदैहिक संस्कार, पिण्ड दान, एकादशाह, सपिण्डीकरण, तर्पण, श्राद्ध आदि करने का विधान है।

प्रश्न यह है कि मरे हुए जीव तो अपने कमार्नुसार शुभ-अशुभ गति को प्राप्त होते हैं; फिर श्राद्धकाल में वे अपने पुत्र के घर कैसे पहुंच जाते हैं—

इसका उत्तर यह है कि जो लोग यहां मरते हैं, उनमें से कितने ही इस लोक में जन्म ग्रहण करते हैं, कितने ही पुण्यात्मा स्वर्गलोक में निवास करते हैं और पापात्मा जीव यमलोक के निवासी हो जाते हैं। यमलोक या स्वर्गलोक में रहने वाले पितरों को भी तब तक भूख-प्यास अधिक होती है, जब तक कि वे माता या पिता से तीन पीढ़ी के अंतर्गत रहते हैं—जब तक वे श्राद्धकर्ता पुरुष के मातामह, प्रमातामह या वृद्धप्रमातामह और पिता, पितामह या प्रपितामह पद पर रहते हैं। तब तक श्राद्धभाग ग्रहण करने के लिए उनमें भूख-प्यास की अधिकता होती है।

जो पितर स्वर्गलोक में निवास करते हैं, वे भी वहां भूख-प्यास का अत्यंत कष्ट उठाते हैं; क्योंकि स्वर्ग में देवताओं को भूख-प्यास का कष्ट नहीं होता है। वहां कोई खाता-पीता नहीं दिखाई देता है। देवता तो अनेक प्रकार के भोगों से संपन्न होकर प्रसन्नचित्त रहते हैं। जब स्वर्गलोकवासी पितरों को भूख-प्यास का कष्ट सताता है तो वे नंदनवन के वृक्षों से फलों को तोड़ते हैं; परंतु फल वृक्ष की डाली से अलग ही नहीं होते हैं। प्यास से पीड़ित होकर जब वे देवनदी का जल हाथ में उठाते हैं तो उस जल का हाथ से स्पर्श ही नहीं होता है। इस प्रकार जिनके वंशज उनके लिए तर्पण या श्राद्ध नहीं करते, वे पितर चाहें स्वर्ग में रहें या यमलोक में; वे भूख-प्यास से व्याकुल रहते हैं।

अमावस्या के दिन वंशजों से श्राद्ध और पिण्ड पाकर पितरों को एक मास तक तृप्ति बनी रहती है। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितरों को एक वर्ष तक तृप्ति रहती है और जो मनुष्य गया में जाकर एक बार भी श्राद्ध कर दे तो उसके सभी पितर सदा के लिए तृप्त हो जाते हैं।

श्राद्ध से केवल मनुष्य की और पितरों की ही संतुष्टि नहीं होती है; वरन श्राद्ध करने वाला ब्रह्मा से लेकर तृण (घास-फूंस) तक समस्त सृष्टि को संतुष्ट कर देता है। श्राद्ध द्वारा तृप्त हुए पितर मनुष्य को मनोवांछित भोग प्रदान करते हैं। पितरों की पूजा से मनुष्य को पुष्टि, आयु, वीर्य, और लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

यही कारण है कि पितृ कर्म को अत्यंत कल्याणकारी मानते हुए देवताओं की पूजा से भी पहले करना चाहिए।

ध्यान रखने वाली बात यह है कि पितृ कार्य करते समय शुद्धता बहुत आवश्यक है। चाहे वह वाणी की हो या कर्म की अर्थात श्राद्ध करते समय न तो किसी से बुरा बोलें और न ही अपवित्र रहे। श्राद्ध की क्रियाएं अत्यंत सूक्ष्म होती हैं; अतः इन्हें करते समय अत्यंत सावधानी रखनी चाहिए।

संकलन: ज्योति राठौर

राशिफल साप्ताहिक
22 से 28 सितम्बर 2024

मेष: जो लोग कानूनी विवादों में फंसे हुए हैं उनके लिए यह सप्ताह कुछ कठिन रहने के आसार हैं। कुछ विलंब होता हुआ भी देखा जा सकता है जिसके बाद प्रगति होने की संभावना है। इसलिए, आपको उन क्षणों के दौरान आराम से रहने की जरूरत है जब चीजें आपके पक्ष में नहीं हैं। ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए आप पेशेवर विशेषज्ञों से भी सलाह ले सकते हैं।

वृषभ: इस सप्ताह आप जो कुछ भी करें, सुनिश्चित करें कि आप जल्दबाजी और त्वरित निर्णय न लें। बल्कि कोई भी कदम उठाने से पहले कई बार सोच विचार करें। अन्यथा, चीजें उन मुद्दों को जन्म दे सकती हैं जिनकी आप सराहना नहीं करेंगे। घरेलू मोर्चे पर आप बिना किसी चुनौती के एक समृद्ध और सुखी जीवन का आनंद लेना जारी रखेंगे।

मिथुन: यह समय है कि आपको घरेलू और पेशेवर दोनों मोर्चों पर उड़ान भरनी चाहिए क्योंकि इस सप्ताह हर गुजरते दिन के साथ आपका आत्मविश्वास बढ़ता ही जा रहा है। यह सुनिश्चित करते हुए अपने लाभ के लिए इसका उपयोग करें कि आप उनसे लाभान्वित हों। दूसरों को प्रभावित करने की कोशिश न करें बल्कि अपनी जीवनशैली में सुधार लाने पर ध्यान दें।

कर्क: लंबे समय के बाद आप अपने पुराने दोस्तों से घिरे रहेंगे जो आपके लिए सुकून भरा और मनोरंजक पल होगा। हर चीज से ब्रेक लें और क्वालिटी टाइम बिताना सुनिश्चित करें। पेशेवर कर्तव्य इस सप्ताह आपके धैर्य और कौशल की परीक्षा ले सकते हैं।

सिंह: इस सप्ताह आप जरूरतमंद लोगों की मदद करेंगे। आपके सामाजिक और सहानुभूतिपूर्ण स्वभाव से आपको कई लोगों का आशीर्वाद मिलेगा, जो आपको भीतर से शांति प्रदान करेगा। साथ ही, इस सप्ताह आप खुद को अतिरिक्त भावुक महसूस करेंगे, जिससे आप अपने परिवार के सदस्यों और साथी के साथ बेहतरीन तरीके से जुड़ पाएंगे।

कन्या: आपको वास्तव में ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि इस सप्ताह आप कई स्तरों पर सहज और खुश महसूस करेंगे। आप महसूस करेंगे कि आपके पास निर्णय लेने के लिए पर्याप्त समय है जिसके परिणामस्वरूप सकारात्मक समाचार मिलेंगे जिससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

तुला: अगर आप अपने जीवन में बदलाव लाना चाहते हैं तो आपको वास्तव में अपने आत्मविश्वास के स्तर पर काम करने की जरूरत है। इस सप्ताह आप अपनी विरोधी इच्छाओं और जिम्मेदारियों के बीच संघर्ष होते हुए देख सकते हैं। यदि आप असमंजस में हैं तो परिवार के किसी अनुभवी सदस्य की सलाह लेकर आपकी समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक: आपके सितारों और ग्रहों की स्थिति के कारण, आप इस पूरे सप्ताह के लिए भाग्यशाली रहेंगे। आप जो भी निर्णय लेंगे वह आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि आपको अपने निर्णय लेने में लापरवाही बरतनी चाहिए। अन्यथा, मौद्रिक हानि और चिंता निश्चित रूप से पूर्व निर्धारित है।

धनु: इस पूरे सप्ताह के लिए, आप अतीत में किए गए अपने फैसलों के कारण खुश और आनंदित रहेंगे। आपका जीवन हो रहा होगा और दिलचस्प होगा जहां आपके जीवन का हर राग सही जगह पर होगा। यह समय है कि आपको अपनी आत्मा को संतुष्ट करने और अपने मन को शांत करने के लिए दूसरों के प्रति अधिक उदार होना चाहिए।

मकर: आपके पार्टनर और जीवनसाथी इस सप्ताह आपसे कुछ साझा करना चाह सकते हैं लेकिन कोई चीज उन्हें रोक रही है। उनके आदर्श साथी बनें और यह जानने की कोशिश करें कि उन्हें क्या परेशान कर रहा है। उनके साथ बैठकर उचित बातचीत करें, उन्हें यह एहसास दिलाएं कि आप अनंत काल तक उनके साथ हैं।

कुंभ: यदि आप भीतर से रचनात्मक हैं, तो यही वह समय है जब आपको अपनी रचनात्मकता को बाहर आने देना चाहिए। क्यों? क्योंकि इस पूरे सप्ताह आपके रचनात्मक गुणों और कौशल को आपके वरिष्ठ और सहकर्मी सराहेंगे। यह विभिन्न अवसरों के द्वार खोलेगा जो कार्यस्थल पर आपकी वर्तमान स्थिति को बढ़ा सकते हैं।

मीन: काम के दबाव और आसपास के बदलाव के कारण आप इस पूरे सप्ताह खुद को तनाव में महसूस कर सकते हैं। आप शायद ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो परिवर्तनों के लिए आसानी से खुले हैं। हालांकि, आपको आशाजनक रूप से वापसी करने के लिए ऐसी स्थिति से निपटना होगा। अविवाहित लोगों को आखिरकार इस सप्ताह कोई आकर्षक और प्यार करने वाला मिल सकता है।

देश के प्रमुख ऐतिहासिक स्थल

● स्वाति चतुर्वेदी

भारतीय इतिहास इतना समृद्ध है कि देश के हर हिस्से में आपको एक से बढ़कर एक ऐतिहासिक स्थल, प्राचीन किले और भव्य महल दिख जाएंगे। इन ऐतिहासिक स्थलों के पीछे छिपी है प्यार, वीरता, ताकत और युद्ध की प्रसिद्ध कहानियां। हम आपको बता रहे हैं देश के 10 प्रमुख ऐतिहासिक स्थल और उनसे जुड़ी कहानियों के बारे में...

ताज महल- दुनिया के 7 अजूबों में से एक

जब भारतीय ऐतिहासिक स्थलों की बात आती है तो उसमें पहले नंबर पर आता है प्यार का प्रतीक ताज महल। सफेद संगमरमर से तैयार ताज महल को 1632 ईसवीं में शाहजहां ने पत्नी मुमताज महल की याद में बनवाया था। इस भव्य और शानदार सरंचना को बनने में 22 साल का वक्त लगा।

कुतुब मीनार- बलुआ पत्थर से बनी ऊंची मीनार

कुतुब मीनार को उत्तर भारत में पहले मुस्लिम साम्राज्य के स्थल के रूप में जाना जाता है और यह उस जमाने की मुस्लिम वास्तुकला का बेहतरीन उदाहरण है जिसका निर्माण सैंडस्टोन यानी बलुआ पत्थर से किया गया था। इस मीनार में कुरान से ली गई कई आयतें भी उकेरी गई हैं जो मुख्य रूप से अरबी भाषा में है। भारत के पहले मुस्लिम शासक कुतुबुद्दीन ऐबक के नाम पर इस मीनार का नाम कुतुब मीनार पड़ा।

लाल किला- आकर्षक विस्तार

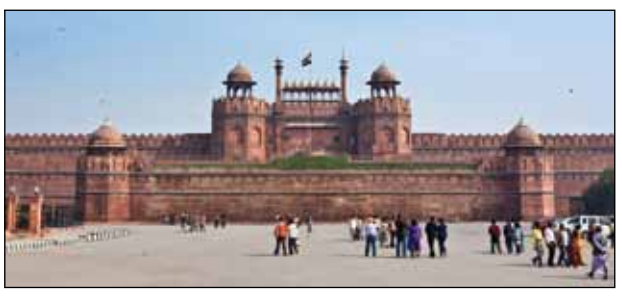

जब मुगल शासक शाहजहां ने अपनी राजधानी आगरा से दिल्ली शिफ्ट की तब उन्होंने लाल किले का निर्माण करवाया जिसे बनने में करीब 10 साल का वक्त लगा। 1638 से 1648 के बीच लाल किले का निर्माण हुआ और उस वक्त उसका नाम किला-ए-मुबारक था। लाल पत्थर से बने इस किले का आज भी कितना अधिक महत्व है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से ही देश को संबोधित करते हैं।

हुमांयू का मकबरा- बगीचा और मकबरा एक साथ

भारतीय और ईरानी वास्तुकला का बेहतरीन संकलन दिखता है हुमांयू के मकबरे में जो भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में से एक है। हुमांयू की बीवी हमीदा बानू बेगम ने 15वीं शताब्दी में अपने पति के लिए इस मकबरे का निर्माण करवाया था। इस जगह की सबसे खास बात यह है कि यहां आपको हुमांयू के मकबरे के अलावा बेहद खूबसूरत गार्डन भी देखने को मिलेगा।

फतेहपुर सीकरी- गौरवगाथा का करें अनुभव

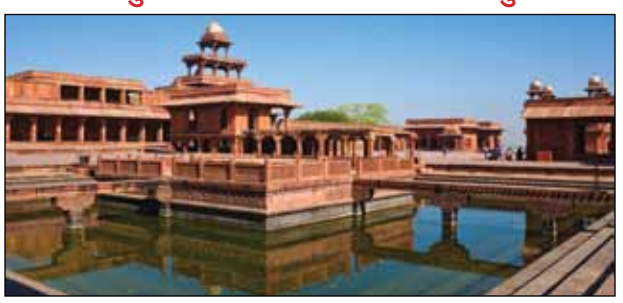

आगरा से 40 किलोमीटर दूर स्थित है फतेहपुर सीकरी शहर। मुगल शासक अकबर के शासनकाल में शाही शहर फतेहपुर सीकरी ही मुगलों की राजधानी थी। एक समय था जब यहां एक से एक महल, आम लोगों के लिए अलग इमारतें, मस्जिद, राजा के लिए अलग महल, सेना और नौकरशाहों के लिए अलग इमारतें थीं। इस शहर की पहचान है यहां का बुलंद दरवाजा। साथ ही यह प्राचीन शहर सूफी संत सलील चिस्ती का भी घर था।

हवा महल- गुलाबी शहर का गौरव

इस महल का नाम हवा महल इसलिए भी पड़ा क्योंकि जब आप इस महल के अंदर जाएंगे तो भले ही बाहर हवा न चल रही हो लेकिन अंदर आपको ठंडक और हवा का अहसास होगा। इस महल में 953 खिड़कियां मौजूद है और इस महल का आकार सिर पर रखे जाने वाले ताज के जैसा है। भगवान कृष्ण के सबसे बड़े भक्तों में से एक महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने इस महल का निर्माण करवाया था। जयपुर के दिल में स्थित हवा महल को लाल चंद उस्ताद ने डिजाइन किया था।

खजुराहो मंदिर- वर्ल्ड हेरिटेज साइट

मध्य प्रदेश के छोटे से शहर खजुराहो में स्थित है खजुराहो का मंदिर जिसे यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज साइट में जगह मिली हुई है और यहां हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। ऐसा माना जाता है कि खजुराहो के मंदिरों में कामुकता को बेहतरीन तरीके से दशार्या गया है। हालांकि सिर्फ 10 प्रतिशत मूर्तियां ही कामुक हैं, बाकी कलाकृतियों में सामान्य चित्रण है।

सांची स्तूप- बुद्ध के जीवन की समझ

मध्य प्रदेश में स्थित सांची स्तूप में भगवान बुद्ध के अवशेष रखे हुए हैं और यह जगह बौद्ध धर्म का पालन करने वालों के लिए सबसे अहम धार्मिक स्थलों में से एक है। इस प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल का निर्माण 3 शताब्दी ईसा पूर्व सम्राट अशोक ने करवाया था। इस स्तूप का गुंबद कानून के पहिए को सूचित करता है। साथ ही माना जाता है कि यह स्तूप बुद्ध के जीवन और मृत्यु से आजादी के नियम का भी प्रतीक है।

फोटो : कमलजीत सिंह

पटपड़गंज पोस्ट आफिस जलमग्न लोगों का जाना हुआ मुश्किल।

सोलर सेल निर्माण में नया कदम

1000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना

॥ प्रभात घोष ॥

सोलर निर्माण के क्षेत्र में 27 से अधिक वर्षों के अनुभव वाली कंपनी गौतम सोलर अब सोलर सेल के निर्माण की तैयारी में है। 2 गीगावाट क्षमता वाले सोलर सेल निर्माण संयंत्र की स्थापना के साथ यह कंपनी इस दिशा में अब एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके पहले चरण में 2 गीगावाट क्षमता के सोलर सेल संयंत्र के लिए अनुमानित 1000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ गौतम सोलर, भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करना चाहती है। गौतम सोलर, भारत सरकार की स्वीकृत सूची के मॉडल और निमार्ताओं (ए.एल.एम.एम.) में सोलर सेल को शामिल करने के दिशा-निदेर्शों के साथ तालमेल बिठा रहा है, ताकि घरेलू स्तर पर निर्माण को बढ़ावा मिले और आयात पर निर्भरता कम हो सके।

यह नया सोलर सेल संयंत्र डोमेस्टिक कंटेट रिक्वॉयरमेंट (डी.सी.आर.) पैनलों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए गौतम सोलर को सक्षम बनाएगा, जो कि सरकारी सब्सिडी योजनाओं के लिए जरूरी होते हैं। कंपनी का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले डी.सी.आर. अनुरूप सोलर सेल प्रदान कर अपनी प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना है, जिससे वह वर्तमान में भारतीय सोलर सेल आपूर्ति श्रृंखला पर हावी चीनी निमार्ताओं का एक सशक्त विकल्प बन सके।

गौतम सोलर ने हरियाणा के भिवानी में सोलर पैनलों और उनके कच्चे माल के निर्माण के लिए पहले से ही 60 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया है, हालांकि कंपनी बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र के आधार पर अन्य स्थानों पर भी विचार कर रही है। कंपनी का उद्देश्य अपने सभी वर्टिकल की क्षमताओं को बढ़ाना है जिससे हरिद्वार में पहले से चल रहे सोलर मॉड्यूल निर्माण संयंत्र और भिवानी में आगामी सोलर सेल निर्माण विस्तार को और अधिक मजबूती मिलेगी। गौतम सोलर के सीईओ, गौतम मोहंका ने कहा, 2 गीगावाट सोलर सेल निर्माण संयंत्र नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के दिशानिदेर्शों के अनुरूप है, जो सोलर सेल के स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा दे रहा है। हमारे पास सोलर इंडस्ट्री में 27 से अधिक वर्षों का अनुभव है और हम अपने मौजूदा संचालन में सोलर सेल उत्पादन को एकीकृत करके अपनी निर्माण क्षमताओं को और सुदृढ़ कर रहे हैं। हम भारत को एक स्थायी भविष्य की ओर ले जाने वाले अत्याधुनिक, विश्वसनीय सौर समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को हासिल करना है जिसे हासिल करने में गौतम सोलर का सोलर सेल निर्माण का विस्तार अहम योगदान देगा। इससे वैश्विक स्तर पर भारत को सोलर एनर्जी हब के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। इस संयंत्र से उत्पादन शुरू होने के साथ ही, कंपनी डी.सी.आर. अनुरूप पैनलों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में होगी और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी लीडरशिप को मजबूत करेगी।

गौतम सोलर भारत की एक अग्रणी सोलर मॉड्यूल निर्माता कंपनी है, जिसके पास सोलर इंडस्ट्री में 27 से अधिक वर्षों का अनुभव है। इसके कई कारखाने उत्तराखंड और हरियाणा राज्य में स्थित हैं। गौतम सोलर अपनी सोलर मॉड्यूल क्षमता को 2024-25 तक 3 गीगावाट और 2025-26 तक 5 गीगावाट तक बढ़ाने की प्रक्रिया में है। गौतम सोलर के पैनल अत्याधुनिक मशीनों का उपयोग करके निर्मित होते हैं। इसके पास कई पेटेंट और आई.पी. पंजीकृत हैं और इसे तकनीकी रूप से उन्नत सोलर मॉड्यूल के लिए जाना जाता है।

पैरों की सेहत का रखेंगे ख्याल, तो ठीक रहेगा आपका स्वास्थ्य

भागदौड़ भरी जिन्दगी में हम सभी का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। यह सोचते हुए हम अपने शरीर के ज्यादातर हिस्सों की अच्छी देखभाल करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी पैरों के स्वास्थ्य यानी फुट हेल्थ पर ध्यान दिया है। पैर हमारे शरीर की नींव है। यह हमारे शरीर का एक वो हिस्सा है जिसमें 26 बोन्स, 30 बोन जॉइंट और 100 से ज्यादा मसल्स, लिगामेंट और टेंडन शामिल हैं। यह बताने की जरूरत नहीं है कि हमारे पैरों को हर कदम पर हमारे शरीर का भार सहन करना पड़ता है। ये दिनभर में हमें 5000 कदम चलने में सक्षम बनाते हैं। इतना ही नहीं, ये स्वस्थ हैं, तो हम जीवन में कोई भी मुकाम हासिल कर सकते हैं। इसलिए पैरों की अच्छी देखभाल करना हमारे स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता के लिए जरूरी माना गया है। हालांकि, कभी-कभी डायबिटीज के अलावा कुछ मेडिकल कंडीशन फुट हेल्थ को प्रभावित कर सकती हैं। यहां कुछ टिप्स दिए गए हैं, जो पैरों के स्वास्थ्य की देखभाल करने में आपकी मदद करेंगे।

सही जूते पहनें

सही जूते आपके पैरों की सेहत की फुल गारंटी लेते हैं। इसलिए जूते बहुत ध्यान से खरीदने और पहनने चाहिए। ऐसे जूते पहनें, जो आपको फिट हों और पैरों को अच्छा सपोर्ट दे सकें। ध्यान रखें कि नुकीले पंजे और ऊंची एड़ी पहनने से पैरों में मोच आ सकती है। यह मोच पैरों में दर्द का कारण भी बन सकती है। अगर आपके पैरों में जरूरत से ज्यादा पसीना आता है, तो एयर सकुर्लेशन में सुधार के लिए जालीदार कपड़े से बने जूते पहनना सही विकल्प हे।

मोजे का करें सही चुनाव

गलत जूते ही नहीं बल्कि मोजे भी पैरों की सेहत बिगाड़ सकते हैं। हेल्दी फीट के लिए हर किसी को कॉटन या वूलन मोजे पहनने की सलाह दी जाती है। दरअसल, इस तरह के मोजे नमी को अवशोषित करते हैं और पैरों में सूखापन भी बनाए रखते हैं। जबकि सिंथेटिक मोजे पहनने से फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। खासतौर से बरसात के दिनों में इस बात का बेहद ख्याल रखना चाहिए।

नंगे पैर न चलें

आप बेशक कितने भी व्यस्त क्यों न हो, सप्ताह में एक दिन अपने पैरों की देखभाल के लिए जरूर निकालें। कोशिश करें कि आपको नंगे पैर न चलना पड़े। इससे इंफेक्शन होने के चांसेस बढ़ सकते हैं। नंगे पैर चलने से हुकवर्म इन्फेक्शन की संभावना ज्यादा रहती है। यह एक ऐसा कीड़ा है, जिसका लार्वा पैरों की स्किन से सीधे शरीर में प्रवेश करता है। इसके अलावा स्वीमिंग पूल, जिम और लॉकर रूम जैसी जगहों पर नंगे पैर चलने से बचना चाहिए।

पैरों को साफ रखें

पैरों की साफ सफाई पर अगर ध्यान न दिया जाए, तो फंगल इंफक्शन होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए नहाते समय अपने पैरों को हर दिन गर्म साबुन वाले पानी में धोएं। इसके बाद पैरों को अच्छी तरह सुखाएं, खासतौर से उंगलियों के बीच। नहीं तो फंगल संक्रमण विकसित हो सकता है। जिन लोगों के पैरों से बदबू आती है,वे सिरके और गर्म पानी के घोल में पैरों को भिगो सकते हैं। इससे पैरों को रिलेक्स मिलता है, साथ ही आप बीमारियों से भी बचे रहते हैं।

स्वस्थ वजन बनाए रखें

वैसे तो ज्यादा वजन आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। लेकिन ज्यादा वजन का असर आपके पैरों पर भी होता है। ज्यादा वजनके चलते पैरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे आगे चलकर पैरों में दर्द की समस्या झेलनी पड़ सकती है।

पैरों के लिए एक्सरसाइज और वर्कआउट

इन समस्याओं से बचने के लिए नियमित व्यायाम करना जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, हार्ड वर्कआउट के बाद लेग्स-अप-द-वॉल योग पोज करें। इसके लिए अपनी पीठ के बल लेट जाएं, दीवार के करीब आएं और अपने पैरों को 5 मिनट के लिए दीवार से सटाकर रखें। वर्कआउट से पहले और बाद में, अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए पैरों को अच्छे से फैलाना जरूरी है।

पोडियाट्रिस्ट से संपर्क करें

आमतौर पर लोग इस बात पर ध्यान नहीं देते। लेकिन हर किसी को अपने फुट हेल्थ के लिए पोडियाट्रिस्ट के पास जरूर जाना चाहिए। पोडियाट्रिस्ट पैर और टखने के एक्सपर्ट होते हैं, जो पैरों से जुड़ी विभिन्न स्थितियों का इलाज करते हैं। समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पैरों को स्वस्थ रखने की सलाह दी जाती है। यहां दिए गए टिप्स आपके पैरों को स्वस्थ तो रखेंगे ही साथ ही दर्द से भी छुटकारा दिलाएंगे।

शिशु को कम नींद आने के कारण

जन्म के लेकर एक साल की उम्र तक बच्चे के शरीर में कई बदलाव आते हैं। इस दौरान बच्चों को खास देखभाल की जरूरत होती है। साथ ही बच्चे के खाने-पीने और सोने की आदतों में भी बदलाव देखने को मिलता है। कुछ बच्चों को बहुत कम नींद लेने की आदत होती है। ऐसे में बच्चे या तो बहुत कम सोते हैं या थोड़ी-थोड़ी देर में उठते रहते हैं। इस कारण कई पेरेंट्स परेशान भी हो जाते हैं कि क्या यह नॉर्मल है या उनके बच्चे को कोई स्वास्थ्य समस्या तो नहीं?

पहले जानिए एक साल से छोटे बच्चे को कितने घण्टे सोना चाहिए?

बच्चे को आस-पास की चीजें देखने और खेलने से काफी थकावट हो जाती है, जिससे 9 से 10 घंटे की नींद लेना उनके लिए जरूरी होता है। यह बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। अधिकतर बच्चे दिन में ज्यादा नींद पूरी करके रात में कम सोते हैं, ऐसे में उनका स्लीप पैटर्न उसके मुताबिक बन जाता है।

क्या शिशुओं को कम नींद आना नॉर्मल है?

इस प्रश्न का उत्तर देते हुए एक्सपर्ट बताती है कि एक साल से छोटे बच्चे को कम नींद आना बिल्कुल नॉर्मल है। दरअसल, इस दौरान दौरान बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास हो रहा होता है। ऐसे में बच्चे के शरीर में कई बदलाव आते हैं, जिनमें कम नींद आना भी शामिल है।

शिशुओं को कम नींद आने के क्या कारण होते हैं?

ब्रेन डेवलपमेंट

एक साल से कम उम्र के दौरान शिशुओं का ब्रेन डेवलपमेंट तेजी से हो रहा होता है। ऐसे में बच्चे का मस्तिष्क ज्यादा उत्सुक रहता है, जिस कारण उसे ठीक से नींद नहीं आ पाती है। इस दौरान बच्चे के शरीर में ग्रोथ हार्मोन रिलीज हो रहे होते हैं, जिसके कारण बच्चा ज्यादातर समय परेशान रहता है।

बच्चों के दांत निकालना

छह माह की उम्र के बाद बच्चे के दांत निकालना शुरू हो जाते हैं। ऐसे में बच्चे के मसूड़ों में इरिटेशन होती है और बच्चा नींद में बार-बार परेशान होने लगता है। ऐसे में बच्चे को कम नींद लेने की आदत हो सकती है।

बुरे सपने आना

एक साल से कम उम्र में बच्चा कई सारी चीजें एक साथ सीख रहा होता है। ऐसे में उसका ब्रेन डेवलप हो रहा होता है, इसलिए उसे अजीब सपने आने लगते हैं। यह चीजें भी बच्चे की नींद में बाधा डालने का कारण बनने लगती हैं।

चीजों को खोने का डर

इस दौरान बच्चा नई-नई चीजें सीख रहा होता है। ऐसे में उसे डर रहता है कि वह कोई चीज मिस न कर दें। इसलिए उसे अपने आप ही कम नींद आती है।

रोगमुक्त भारत के निर्माण में आम नागरिकों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी

डाक्टर हिमांशु वर्मा
एचओडी, नैफ्रोलोजी
वर्द्धमान महावीर
सफदरजंग हॉस्पिटल

केन्द्र सरकार द्वारा जहां स्वास्थ्य सेवाओ में बेहतरीन सुधार किए जा रहे हैं, वही राज्य सरकारें भी अपने -अपने स्तर पर लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में जुटी है, ऐसे में वीएमएमसी सफदरजंग हॉस्पिटल के नैफ्रोलोजी विभाग के एमडी, डीएम एवं प्रोफेसर, हैड आफ दा डिपार्टमेंट डाक्टर हिमांशु वर्मा का कहना है, कि एक आम इंसान के शरीर की ग्रोथ बाल्यावस्था से 25 से 30 वर्ष तक होती है, उसके बाद आजकल के बदले हुए लाईफस्टाईल ने आम नागरिकों में बीमारियों का संचार कर दिया है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, कि खान -पान और दैनिक व्यायाम ना करना भी मनुष्य की शारीरिक संरचना को प्रभावित करता है।

श्री वर्मा ने कहा, कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है, ये बिल्कुल सत्य है, लेकिन ये भी हम सभी का दायित्व बनता है, कि अपने आप को कैसे स्वस्थ रखा जाए। इसके लिए जरूरी है, कि 30-35-40 की उम्र से ही हमें साल में एक बार नियमित अपने स्वास्थ्य की सभी जांचें करवानी चाहिए, साथ ही पूरे शरीर की स्क्रीनिंग से ही हमें पता लग पाएगा, कि शरीर में विकार कहां से शुरू हुआ और कहां तक पहुंचा है, जिससे की समय रहते उसका ईलाज करवाकर अपना जीवन बचाया जा सके। डाक्टर हिमांशु वर्मा ने कहा, कि कई जगह ये देखा जाता है, कि लोग स्वास्थ्य की जांच ही नही करवाते, और अपने आप को फिट होने का दावा करते हैं, लेकिन उन्हें ये समझना चाहिए, कि उन्हें लगता है, वो फिट है, वो बहुत अच्छी बात है, तो फिर चेकअप और स्क्रीनिंग क्यूं नहीं करवाते, जिससे की उनको स्वयं को भी आत्मसंतुष्टि मिल सके।

डाक्टर हिमांशु वर्मा ने स्पष्ट किया, कि जिस प्रकार स्वास्थ्य सेवाओं में केन्द्र व राज्य सरकारें जी-तोड़ प्रयास कर रही है, उसी प्रकार आम नागरिकों को भी अपने भारत को रोगमुक्त बनाने के लिए आगे आना होगा। डाक्टर वर्मा ने कहा, कि सरकारों को चाहिए, कि जिस प्रकार घर - घर जाकर पोलियो की दो बूंद पिलाकर भारत को पोलियोमुक्त बनाया था, अब समय आ गया है, कि घर -घर जाकर वहां रह रहे प्रत्येक सदस्य की निःशुल्क ब्लडप्रेशर और शुगर की जांच की जाए और इसके लक्षण दिखते ही उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य सेवा केन्द्र पर वरिष्ठ डाक्टर को दिखाने को कहना चाहिए, जिससे की शुरूआती बीमारी के लक्षण दिखने पर ही उसकी रोकथाम की जा सके। उन्होंने कहा, कि देश में घर-घर शुगर और ब्लडप्रेशर के मरीज बढ़ रहे हैं, इसलिए उनके जीवन को बचाने के लिए उन्हें खुद आगे आकर अपने जीवन की रक्षा करनी पड़ेगी। बहरहाल, डाक्टर भगवान का रुप होते हैं, इसमें कोई दो राय नहीं, लेकिन उनके द्वारा बताई गई बातों को अपने और अपने परिवार के सदस्यों के जीवन में उतारना और शारीरिक जांच नियमित कराना रोगमुक्त भारत के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर लौटी पुरुष हॉकी टीम का स्वागत

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम का 2024 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में रिकॉर्ड तोड़ जीत के बाद स्वदेश लौटने पर यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय टीम ने मंगलवार को मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में फाइनल में मेजबान चीन को 1-0 से हराकर पांचवीं बार ट्रॉफी हासिल की।

2024 पेरिस ओलंपिक में उनकी सफलता के ठीक एक महीने बाद, जिसमें उन्होंने अपना लगातार दूसरा कांस्य पदक हासिल किया, टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही और चीन पर 3-0 से जीत के साथ जोरदार अंदाज में नॉकआउट चरण में अपनी जगह दर्ज की, जापान पर 5-1 से जीत, मलेशिया पर 8-1 से जीत, कोरिया पर 3-1 से जीत और प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 2-1 से जीत के साथ अपने पूल में शीर्ष पर रही।

सेमीफाइनल में कोरिया पर 4-1 की जीत के बाद भारत का फाइनल में चीन से मुकाबला होना तय हो गया था, जिसे टूर्नामेंट का सबसे कठिन मैच भी कहा जा सकता है। चौथे क्वार्टर के अंत में जुगराज सिंह के एकमात्र गोल ने भारत को मेजबान टीम के संघर्षपूर्ण प्रयास पर काबू पाने और जीत हासिल करने में मदद की।

इस जीत ने भारत को टूर्नामेंट के इतिहास में रिकॉर्ड पांच खिताब के साथ सबसे सफल टीम बना दिया। भारत पांच बार खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बन गई, जिसने 2023 में अपनी जीत के बाद लगातार दूसरे संस्करण में ट्रॉफी बरकरार रखी। भारत ने इससे पहले 2016 और 2018 में बैक-टू-बैक खिताब हासिल किया था। भारत ने इससे पहले 2011 में यह खिताब जीता था।

टीम के प्रयासों को पुरस्कृत करने के लिए, हॉकी इंडिया ने प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपये और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ सदस्य के लिए 1.5 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की।

दिल्ली एनसीआर में खुलेगा सुपर किंग्स अकादमी का पहला सेंटर

चेन्नई सुपर किंग्स अकादमी तमिलनाडु के बाहर अपना पहला सेंटर लॉन्च करने के लिए तैयार है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की यह दिग्गज फ्रेंचाइजी गुरुग्राम में यह सेंटर खोलने जा रही है। इसके साथ ही सुपर किंग्स अकादमी के सेंटरों की संख्या 16 हो जाएगी, जिसमें तीन सेंटर इंटरनेशनल जगहों पर शामिल हैं।

गुरुग्राम में बना यह नया केंद्र, पुश स्पोर्ट्स के साथ साझेदारी में तैयार किया गया है और उभरते क्रिकेटरों के लिए एक अत्याधुनिक सुविधा देने का वादा करता है। इसमें चार टर्फ, दो सीमेंट की पिचें, एक एस्ट्रो पिच, और उन्नत फ्लड लाइट्स शामिल होंगी, जो खिलाड़ियों को बेहतरीन ट्रेनिंग का माहौल प्रदान करेंगी।

सीएसके ने एक बयान में कहा, "तमिलनाडु में 12 सेंटरों के बाद, चेन्नई सुपर किंग्स अकादमी अब दिल्ली एनसीआर (गुरुग्राम) में अपना पहला केंद्र शुरू करने जा रही है। यह सेंटर पुश स्पोर्ट्स के साथ साझेदारी में खोला जा रहा है, जो भारत की सबसे तेजी से बढ़ती स्पोर्ट्स-टेक कंपनियों में से एक है। यह कंपनी 20 से अधिक जगहों पर 7000 से ज्यादा बच्चों को खेलों में आगे बढ़ा चुकी है। यह चेन्नई सुपर किंग्स अकादमी का 16वां केंद्र होगा, जिसमें तीन अंतर्राष्ट्रीय केंद्र भी शामिल हैं।"

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान, रुतुराज गायकवाड़ ने भी अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, "हमें गर्व है कि तमिलनाडु के बाहर हमारा पहला केंद्र अब दिल्ली एनसीआर में खुल रहा है। लड़के और लड़कियां, तैयार हो जाइए 'सुपर किंग' की तरह ट्रेनिंग करने और अपने क्रिकेट करियर की शुरूआत करने के लिए!" चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ, के.एस. विश्वनाथन ने भी इस अवसर पर अपनी उत्सुकता जताई और अकादमी के विस्तार की योजना पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "पिछले दो वर्षों में हमने तमिलनाडु और अंतर्राष्ट्रीय स्थानों जैसे अमेरिका, यूके, और ऑस्ट्रेलिया में सेंटर सफलतापूर्वक स्थापित किए हैं। अब हम उत्तर भारत में अपनी कोचिंग लेकर आ रहे हैं। हमें विश्वास है कि यह अकादमी इस क्षेत्र से क्रिकेट प्रतिभाओं को खोजने और निखारने में अहम भूमिका निभाएगी।"

आईसीसी का ऐतिहासिक फैसला-पुरुषों के बराबर मिलेगी महिलाओं को प्राइज मनी

आईसीसी ने एक ऐतिहासिक ऐलान किया है। इसके तहत अब पुरुष और महिला खलिाड़ियों को विश्व कप में एक समान प्राइज मनी मिलेगी। इसकी शुरूआत अगले महीने यूएई में होने वाले महिला टी20 विश्व के साथ हो जाएगी।

यूएई में खेले जाने वाले टी20 महिला विश्व कप विजेता टीम को 2.34 मिलियन अमरीकी डालर मिलेंगे, जो 2023 में दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीतने पर ऑस्ट्रेलिया को दिए गए 1 मिलियन अमरीकी डालर से 134 प्रतिशत अधिक है।

हारने वाले दो सेमीफाइनलिस्टों को 6,75,000 अमेरिकी डॉलर (2023 में 2,10,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक) मिलेंगे, कुल पुरस्कार राशि 79,58,080 अमेरिकी डॉलर होगी, जो पिछले साल की कुल राशि 2.45 मिलियन अमेरिकी डॉलर से 225 प्रतिशत अधिक है।

आईसीसी के बयान के अनुसार, "यह फैसला जुलाई 2023 में आईसीसी वार्षिक सम्मेलन में लिया गया जब आईसीसी बोर्ड ने अपने 2030 के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से सात साल पहले पुरस्कार राशि समान करने का निर्णय किया। इस तरह से क्रिकेट पहला प्रमुख खेल बन गया है जिसमें विश्व कप में पुरुषों और महिलाओं के लिए समान प्राइज मनी है।"

भारतीय महिला टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत 4 अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। इसके बाद 6 अक्टूबर को उनका सामना पाकिस्तान से होगा। क्रिकेट फैंस को टूर्नामेंट के आगाज का बेसब्री से इंतजार है, जबकि भारतीय महिला टीम अपना विश्व चैंपियन बनने का सपना पूरा करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है।

भारतीय महिला क्रिकेट ने पिछले कुछ सालों में बेहतरीन प्रदर्शन करके विश्व क्रिकेट में एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है, लेकिन बड़े मंच और खिताब जीतने का सपना अब भी अधूरा है। सिर्फ नॉक-आउट स्टेज तक पहुंचना काफी नहीं बल्कि इस टीम से अब ट्रॉफी जीतने की उम्मीद की जाने लगी है, इसलिए उन पर दबाव बढ़ना लाजमी है। चाहे खिलाड़ियों के प्रदर्शन की बात हो या फैंस का सपोर्ट, धीरे-धीरे महिला क्रिकेट में चीजें बदल रही हैं।

इसलिए अगले महीने यूएई में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय टीम से भी ट्रॉफी जीतने की उम्मीद की जा रही है।

भारतीय पुरुष टीम का दबदबा जारी

भारतीय पुरुष टीम ने 45वें शतरंज ओलंपियाड के आठवें दौर में यहां ईरान के खिलाफ 3.5-0.5 से शानदार जीत दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक पर अपना दावे को और मजबूत कर लिया लेकिन महिलाओं को पोलैंड के हाथों 1.5-2.5 से चौकाने वाली हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम की यह प्रतियोगिता में पहली हार है। ओपन वर्ग में लगतार आठवीं जीत से पुरुष टीम ने कुल 16 अंकों के साथ एकल बढ़त बरकरार रखी है। मेजबान हंगरी, उज्बेकिस्तान तालिका में उससे दो अंक पीछे हैं। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज अर्जुन एरिगैसी ने काले मोहरों से आक्रामक शुरूआत कर बर्दिया दानेश्वर को पराजित किया।

आगामी विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश ने शुरूआती टाइम कंट्रोल में ही ईरान के परम मघसूदलू को हरा दिया। आर प्रज्ञानानंद ने अमीन तबाताबेई से ड्रॉ खेला जबकि विदित गुजराती ने इदानी पूया को मात देकर टीम की जीत में अंकों का इजाफा किया।

पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता सरनदीप सिंह को दिल्ली सीनियर पुरुष टीम का कोच नियुक्त किया गया

पूर्व भारतीय सीनियर पुरुष चयनकर्ता सरनदीप सिंह को आगामी घरेलू सत्र के लिए दिल्ली की सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने यह घोषणा की।

सरनदीप ने 2000 से 2003 के बीच भारत के लिए तीन टेस्ट और पांच वनडे मैच खेले हैं। उन्होंने 2016-2020 के दौरान अपनी राष्ट्रीय चयन समिति के साथी देवांग गांधी की जगह ली है। इसके साथ ही, वी. अरविंद और बंटू सिंह ने क्रमशः गेंदबाजी और बल्लेबाजी कोच के रूप में अपनी भूमिकाएं बरकरार रखी हैं, जबकि कुलदीप रावत सीनियर टीम के नए फील्डिंग कोच बने हैं।

नए मुख्य कोच सरनदीप के सामने सबसे बड़ी चुनौती दिल्ली को पिछले सीजन के खराब प्रदर्शन के बाद फिर से मजबूत टीम बनाना है। टीम के प्रमुख खिलाड़ी नितीश राणा और ध्रुव शौरी उत्तर प्रदेश और विदर्भ की ओर से खेलेंगे, और साथ ही कई तेज गेंदबाजों की चोटों से भी टीम जूझ रही है।

पिछले साल दिल्ली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे पंजाब से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, टीम विजय हजारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट चरणों में प्रवेश करने में असफल रही। रणजी ट्रॉफी में तो उसे पुडुचेरी से घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा था।

दिल्ली रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी में तमिलनाडु, सौराष्ट्र, रेलवे, झारखंड, छत्तीसगढ़, असम और चंडीगढ़ के साथ है। टीम 11 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के खिलाफ रायपुर में अपने रणजी ट्रॉफी सत्र की शुरूआत करेगी।

पिछले सीजन डीडीसीए की हाई-परफॉरमेंस ग्रुप के बल्लेबाजी कोच

रहे गुरशरण सिंह को सीनियर पुरुष टीम की चयन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इस पैनल में पूर्व दिल्ली मुख्य कोच केपी भास्कर और राजीव विनायक भी शामिल हैं। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज परविंदर अवाना को अंडर-16 टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

डीडीसीए ने आगामी घरेलू सत्र के लिए राज्य के लिए मेंटर्स की एक टीम भी बनाई है। पूर्व भारतीय और दिल्ली खिलाड़ी अतुल वासन पुरुषों की व्हाइट-बॉल क्रिकेट के मेंटर होंगे, जबकि पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन सिंह जूनियर रेड-बॉल क्रिकेट के मेंटर होंगे। पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर रीमा मल्होत्रा महिला टीम की मेंटर होंगी।

महिला टीम के लिए, पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अमिता शर्मा को सीनियर चयन समिति की अध्यक्ष के रूप में बरकरार रखा गया है। स्वर्ण चड्ढा और सुषमा चौधरी इस समिति में शामिल होंगी। अंजू जैन, नेहा तंवर और मंदीप कौर अपने-अपने मुख्य कोच, बल्लेबाजी कोच और फील्डिंग कोच के पद पर बने रहेंगे, जबकि ऋषित सैनी को गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल किया गया है।

रिषभ पंत और मयंक यादव के कोच देवेंद्र शर्मा, जो पिछले सत्र में हाई-परफॉरमेंस ग्रुप के विकेटकीपिंग कोच थे, जूनियर महिला चयन समिति में नीलम यादव की अध्यक्षता में सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

देवेंद्र ने बताया, "यह मेरे लिए बहुत अच्छा अवसर है। मैं लड़कियों के लिए भले के लिए कड़ी मेहनत करूंगा, ताकि वह भविष्य में अच्छा कर सकें। मुझे उम्मीद है कि इस सीजन में कुछ अच्छे युवा खिलाड़ी खेलेंगे।" इसके अलावा, दीप्ति ध्यानी दिल्ली अंडर-23 महिला कोच के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगी। वह भारत की अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप विजेता बल्लेबाज श्वेता सहरावत की कोच हैं। हाई परफॉरमेंस ग्रुप में, पूर्व सर्विसेज बल्लेबाज सौमिक चटर्जी को मुख्य बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। जबकि दिल्ली के पूर्व तेज गेंदबाज सुमित नरवाल मुख्य गेंदबाजी कोच होंगे।

शमा सिकंदर के साथ एक्टर ने की गंदी हरकत

शमा सिकंदर पिछले कुछ समय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से दूर हैं। वह टेलीविजन और फिल्म में व्यापक रूप से जानी जाती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि विज्ञापन के दौरान भी 'सुपरस्टार' ने सीन बदल दिया और उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश की। शमा सिकंदर ने बॉलीवुड बबल से बात की। उनसे उस घटना के बारे में सवाल किया गया था जहां अभिनेता ने उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश की थी। शमा ने कहा, "पहले फिल्म की शूटिंग में मुझे गले लगाने की जरूरत नहीं थी, लेकिन मुझे लगा कि किसी कारण से वह मुझे गले लगाना चाहता था।" आपको माहौल का पता चल जाता है। जब वह मेरे साथ शूटिंग कर रहे थे, तो उन्होंने सुधार किया और कहा कि वह गहने अपनी पत्नी (शमा) के गले में डाल देंगे। उसके बाद हम उसे पलट देंगे और गले लगा लेंगे। शमा आगे कहती हैं, 'जब उसने मुझे गले लगाने और किसी भी तरह से छूने की कोशिश की तो मुझे बहुत असहज महसूस हुआ।' मुझे ऐसा कभी महसूस नहीं हुआ, मैंने बहुत सारे लड़कों के साथ काम किया है। ये बेहद चौंकाने वाला और अजीब था। मैंने सोचाः यह लड़का सुपरस्टार है, उसे ऐसा कुछ करने की क्या जरूरत है? शमा ने कहा कि वह इस शख्स से पहली बार मिली थीं और अब जिंदगी में कभी साथ काम नहीं करेंगी। शमा ने कहा कि इंडस्ट्री में यह सब सामान्य है, लेकिन यह सामान्य नहीं होना चाहिए।

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

ऊर्फी जावेद का शांति का महान मार्ग

इंटरनेट पर्सनालिटी और रियलिटी स्टार ऊर्फी जावेद, जिन्हें अपने स्ट्रीमिंग रियलिटी शो 'फॉलो कर लो यार' के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, ने कहा है कि सोशल मीडिया, डिजाइन के अनुसार, शोर से भरी जगह है, और यह उन लोगों के लिए नहीं है जो शांति की तलाश में हैं। ऊर्फी ने सोशल मीडिया लोगों के लिए अपनी राय व्यक्त करने और खुद को अभिव्यक्त करने की जगह है, और ये अभिव्यक्तियाँ शायद ही कभी 'शांत' तरीके से व्यक्त की जाती हैं।

सोशल मीडिया स्टार ने बताया, आप चाहते हैं कि बारिश भी हो पर आपको भीगना नहीं है, ऐसा तो हो नहीं सकता ना? (आप बारिश चाहते हैं लेकिन आप भीगना नहीं चाहते, यह ऐसे काम नहीं करता है, है न?)। ऊर्फी ने सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी और अपने अपरंपरागत फैशन सेंस के कारण अपने लिए एक अलग पहचान बनाई है। वह जानती हैं कि सोशल मीडिया और एल्गोरिदम की घड़ी कैसे काम करती है। सोशल मीडिया एक ऐसी जगह है जिसका इस्तेमाल अलग-अलग क्षेत्रों के लोग करते हैं, यह दुनिया भर के लोगों के लिए एक साझा आधार है जहाँ वे खुद को अभिव्यक्त करते हैं। यह एक भीड़ भरा माध्यम है, और जहाँ भीड़ होगी, वहाँ शोर होगा, किसी भी सिस्टम में ऐसा ही होता है। इसलिए, अगर आप सोशल मीडिया पर शांति या मन की ध्यान की स्थिति की तलाश करते हैं, तो आप बहुत गलत हैं, और खुद को नुकसान पहुँचा रहे हैं। शांति पाने के लिए और भी जगहें हैं, लेकिन निश्चित रूप से सोशल मीडिया नहीं, उन्होंने कहा।

इस बीच, उनका ओटीटी शो 'फॉलो कर लो यार' उनके दैनिक जीवन और उनके परिवार के साथ उनकी बातचीत को दशार्ता है। उनके शो की तुलना अमेरिकी रियलिटी टेलीविजन सीरीज द कार्दशियन से की गई है। फिल्मों में काम करने की योजना के बारे में पूछे जाने पर, उओर्फी ने आईएएनएस को बताया कि रियलिटी शो वह क्षेत्र है जिसमें वह काम करना पसंद करती हैं और चाहती हैं कि उनका करियर भी उसी दिशा में आगे बढ़े। फॉलो कर लो यार प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

रणवीर-विक्की-आयुष्मान के साथ फिल्मों में काम करना चाहती है : नरगिस

बालीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने हाल ही में कुछ एक्टर्स के नाम साझा किए जिनके साथ वह काम करना चाहती है। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि वह उनके साथ क्यों काम करना चाहती हैं। नरगिस ने कहा, सबसे पहले रणवीर सिंह होंगे। मुझे उनकी ऊर्जा और सेट पर उनकी इनटेंसिटी पसंद है।

मैं उनके साथ कोई पीरियड ड्रामा करना चाहूँगी। एक और एक्टर, जिससे मैं वास्तव में प्रभावित हूँ, वह हैं आयुष्मान खुराना। इन्होंने अपनी अनोखी लेकिन महत्वपूर्ण स्क्रिप्ट के चयन से इंडस्ट्री में अपने लिए एक अलग जगह बनाई है। मुझे राजकुमार राव की सादगी और सहजता बहुत पसंद है। जब भी वह स्क्रीन पर होते हैं, तो वाकई खास नजर आते हैं। विक्की कौशल भी बढ़िया काम कर रहे हैं। बेशक, अगर मैं अमिताभ बच्चन के साथ काम कर पाऊं तो मुझे बहुत अच्छा लगेगा। और हां, मैं इम्तियाज अली की एक और फिल्म में रणबीर के साथ काम करना चाहूंगी, क्या यह मजेदार नहीं होगा? इस साल की शुरूआत में, नरगिस ने मद्रास कैफे में काम किया और जॉन अब्राहम के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने 'रॉकस्टार' की री-रिलीज का जश्न भी मनाया। आखिरी बार टटलूबाज में नजर आईं, एक्ट्रेस फिलहाल कुछ दिलचस्प स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं। उम्मीद है कि वह इस साल के अंत में कुछ प्रोजेक्ट की घोषणा करेंगी।

मालूम हो कि एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने जब से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की है, तब से उन्होंने कई मशहूर हस्तियों के साथ काम किया है। अपनी पहली फिल्म में ही, रणबीर कपूर के साथ अभिनय करने के बावजूद, उन्होंने 'रॉकस्टार' में हीर के रूप में दर्शकों पर प्रभाव डाला। बाद में, उन्होंने जॉन अब्राहम, वरुण धवन और कई-कई एक्टर्स के साथ काम किया। हालाँकि, उन्होंने पहले इन एक्टर्स के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes